■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज़ सच का साथी

बी पी एस न्यूज

सच का साथी...

www.bpsnews.in

(वर्ष–8 अंक – 14)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 08 मई ,2023

▶ निकाय चुनावः नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से मतदाता नाराज ▶ 40 साल के दबंग ने जबरिया रचाई नाबालिग से शादी ▶ गंभीर के साथ विवाद के बाद कोहली ने दी सफाई

न्यूज संक्षिप्त

अमरनाथ गुफा में 20-22 फुट ऊंचा शिवलिंग

जम्मू। अमरनाथ की पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी पूर्ण आकार में प्रकट हुए हैं। इस बार करीब 20-22 फुट ऊंचा हिमलिंग बना है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से इसकी तस्वीर जारी की गयी है। प्रदेश प्रशासन गुफा के आसपास के क्षेत्र में तैनाती के लिए सुरक्षाकर्मियों की टीम भेज चुका है, जिसका मकसद यात्रा से पहले दर्शन की कोशिश करने वालों को रोकना है। समुद्रतल से 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ की गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रा 30 जून को आरंभ होनी है। पहले दर्शन 1 जुलाई को होंगे। बाबा के भवन तक जाने वाले बालटाल के रास्ते में अभी भी बर्फ जमा है। खून जमा देने वाली सर्दी पड़ रही है। सरकारी तौर पर अभी गुफा तक सिर्फ पुलिस की एक टुकड़ी ही पहुंची है, जिसने वहां का जायजा लिया है। हालांकि, कुछ श्रद्धालुओं द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि वे गुफा तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

ध्रुव हेलीकॉप्टरों पर सेना की अस्थायी रोक

नयी दिल्ली । सेना ने उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) %ध्रुव% के पूरे बेड़े का परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया है। किश्तवाड़ में 4 मई को 'हार्ड लैंडिंग% के बाद एक एएलएच ध्रुव दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक तकनीशियन की मौत हो गई थी, जबकि दो पायलट घायल हो गए थे। नौसेना और तटरक्षक बल ने मार्च में अपने संबंधित एएलएच ध्रुव बेड़े का परिचालन ऐसी ही दो घटनाओं के बाद रोक दिया था।

बीमा कंपनियों के मीडिया अभियानों के लिए नियम सख़्त होंगे

नयी दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) बीमा कंपनियों के मीडिया अभियानों के लिए नियमों को सख़्त करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत इन कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन को उत्पाद प्रचार के लिए मीडिया अभियानों को तैयार करने और मंजूरी देने की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव है। इस सिलसिले में इरडा ने बीमा विज्ञापन खुलासा नियमन, 2021 में संशोधन का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित संशोधन के तहत, प्रत्येक बीमा कंपनी को कम से कम तीन सदस्यों वाली एक विज्ञापन समिति का गठन करना होगा। ये सदस्य विपणन, बीमांकिक और अनुपालन कार्यों से संबंधित होंगे।

केन्द्रीय कर्मियों को 1 जुलाई से महंगाई भत्ते में हो सकती है 3-4 प्रतिशत की बढ़ोतरी

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार 1 जुलाई से फिर से डियरनेस अलाउंस यानी महंगाई भत्ते में 3-4 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है। कर्मचारियों और पेंशनर्स को बढ़ती कीमतों की भरपाई के लिए दिया जाने वाला ष्ठ साल में दो बार जनवरी और जुलाई में रिवाइज किया जाता है। केंद्र सरकार ने मार्च 2023 में महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। ये बढ़ोतरी 1 जनवरी 2023 को लागू की गई थी। 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार के कर्मचारियों का ष्ठ बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया है।

भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी कर्नाटक में असली आतंकवादः प्रियंका गांधी

मेंगलुरु। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि भ्रष्टाचार, लूट–खसोट, महंगाई और बेरोजगारी कर्नाटक में आज असली 'आतंकवाद' है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में रहने के दौरान लोगों के वास्तविक मुद्दों का हल करने में नाकाम रही। यहां दक्षिण कन्नड़ जिले में मूदबिद्री में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के नेता चुनाव नजदीक आने पर हमेशा चरमपंथ और राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं।

प्रियंका ने कहा, ''वे आपके (लोगों के) वास्तविक मुद्दों के बारे में बात नहीं करते। मैं भाजपा नेताओं से कहना चाहती हूं कि महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा सरकार का 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार (कमीशन) असली चरमपंथ है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों के समय वादे करती है, लेकिन लोगों को इस आधार पर वोट देना चाहिए कि उसने (भाजपा ने) कर्नाटक में पिछले तीन वर्षों में क्या काम किये हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''धर्म, राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के बारे में बात करते हुए भाजपा नेता यह नहीं देखते कि उनके शासन के तहत कर्नाटक में हजारों किसानों ने आत्महत्या की है। एक हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं ने आत्महत्या कर ली।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने शासन के दौरान छह लाख करोड़ रुपये की लूट–खसोट की है। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी के बाद और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के गलत क्रियान्वयन के कारण राज्य में लघु एवं मध्यम उद्योगों को भारी नुकसान पहुंचा, जिसके चलते हजारों युवा बेरोजगार हो गये। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंक–सिंडीकेट बैंक, विजया बैंक, कॉरपोरेशन बैंक और केनरा बैंक– का विलय कर बैंकों के राष्ट्रीयकरण के उद्देश्य को नष्ट कर दिया।

प्रियंका ने कहा कि देश में सभी हवाई अड्डे और नये मंगलोर बंदरगाह सहित समुद्री बंदरगाह धनकुबेरों को बेचे जा रहे हैं, जो केंद्र की भाजपा सरकार के मित्र हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह हजारों स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि भाजपा अब गुजरात आधारित अमूल के साथ कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नंदिनी दुग्ध ब्रांड का विलय कर इसे (नंदिनी ब्रांड को) नष्ट करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह भ्रष्टाचार का आतंकवाद देश में शासन कर रहा है।'' प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा राष्ट्र की संपत्ति लूटने में व्यस्त है और महिलाओं के विकास, किसानों की समस्याएं, महंगाई तथा युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे का हल करने के लिए उसके पास समय नहीं है।

उन्होंने कहा, ''वे सत्ता में रहने के दौरान लोगों के लिए काम नहीं करते और धर्म, आतंकवाद तथा सुरक्षा पर उपदेश देने के लिए चुनावों के समय उनके पास जाते हैं।'' प्रियंका ने कहा कि राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की किफायती इंदिरा कैंटीन सहित सभी जन हितैषी योजनाओं को फिर से लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गारंटी कार्ड में किये गये हर वादे को पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने पांच 'गारंटी' की घोषणा की है।

प्रियंका ने कहा कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस सरकारों ने किसानों और पेंशनभोगियों से अपने चुनावी घोषणापत्रों में किये गये वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मछुआरों के लिए 10 लाख रुपये की बीमा योजना और महिला मछुआरों के लिए 'स्टैंड विद मोगावीरा' के तहत ब्याज मुक्त एक लाख रुपये देने की योजना भी लाएगी। राज्य में 10 मई को मतदान होना है। चुनाव नतीजे 13 मई को घोषित किये जाएंगे।

कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, 50 साल पहले जो गरीबी हटाने की गारंटी दी थी, उसका क्या हुआ ?

बेंगलुरु। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैसूर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजकल कांग्रेस लोगों को झूठी गारंटियां दे रही है, लेकिन वो इस बात का कभी जवाब नहीं देते कि 50 साल पहले जो उसने गरीबी हटाने की गारंटी दी थी उसका क्या हुआ? उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों के लिए ये चुनाव नया इतिहास रचने का चुनाव है। ये चुनाव कर्नाटक को पूरे देश का नंबर–1 राज्य बनाने का चुनाव है और मुझे इस बात की खुशी है कि इस महायज्ञ के लिए कर्नाटक के लोगों ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर ही भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि जब भारत का डिफेंस सेक्टर मजबूत होना शुरू हुआ तो कर्नाटक में एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर बनाने की फैक्ट्री लगी। जब भारत दुनिया में स्टार्टअप का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बना तो कर्नाटक स्टार्टअप का कैपिटल बना। जब भारत में रेलवे का काम कई गुना तेज हुआ तो कर्नाटक में रेलवे का काम तेज हुआ। 2014 से पहले कर्नाटक में प्रतिवर्ष औसतन सिर्फ 7 किमी रेल लाइन का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि बीजेपी की सरकार में पिछले 9 साल में हर साल करीब 1600 किमी रेल लाइन का विद्युतीकरण हुआपीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि भारत मसालों के मामले में प्राचीन वैश्विक शक्ति रहा है लेकिन कांग्रेस के शासन में तो हम अपनी हल्दी तक की पहचान खोने लगे थे, लेकिन हमने अपने मसालों को दुनिया भर में प्रमोट किया। आज पूरी दुनिया में हमारे मसालों की मांग बढ़ी है। हमारी धरोहरों को भी वोट बैंक की तुष्टिकरण की राजनीति में देखा गया।

टिकरी बॉर्डर से जंतर–मंतर के लिए निकला किसानों का जत्था, सिंघु बार्डर पर दिल्ली पुलिस का नाका

बृजभूषण शरण की तुरन्त गिरफ्तारी की है मांग

झज्जर/बहादुरगढ़/सोनीपत। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली में जंतर–मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को दिल्ली पुलिस से हुई झड़प के बाद हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। किसानों व खापों के समर्थन की घोषणा के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर नाका लगा रखा है। वाहनों को जांच के बाद ही दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं कुंडली बॉर्डर पर सोनीपत पुलिस की भी एक कंपनी तैनात कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रखने के साथ ही ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए पुलिस तैनात है।राजधानी दिल्ली के टिकरी बॉर्डर पर एक बार फिर से किसान और दिल्ली पुलिस आमने–सामने हो गए। महिला पहलवानों के समर्थन के लिए जंतर मंतर के लिए निकले किसानों के जत्थे को दिल्ली पुलिस ने टिकरी बॉर्डर पर रोक लिया, लेकिन महिला किसान दिल्ली पुलिस के नाकों तोड़कर पैदल ही आगे बढ़ चली। महिला किसानों ने एमसीडी के कमर्शियल टोल प्लाजा पर जाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके बाद दिल्ली पुलिस के हाथ पैर फूल गए और आनन–फानन में महिला किसानों के जत्थे को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी।दर्जन भर बसों में सवार होकर सैकड़ों महिला किसान पंजाब के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली के जंतर मंतर के लिए आई हैं। अपने साथ में खाना बनाने का सामान भी लेकर किसान पहुंचे हैं। महिला किसानों का कहना है कि सरकार को भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण शरण को तुरंत गिरफ्तार करना होगा। महिला पहलवान लगातार धरना प्रदर्शन कर रही हैं और मंच से बता रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है। ऐसे में आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। महिलाओं ने कहा कि अगर उन्हें रोका गया तो वही रुक जाएगी। फिलहाल 1 दिन के प्रदर्शन के लिए दिल्ली आई हैं।

जांच की जरूरत नहीं, बेटियों को मिले न्याय

पंजाब के भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां संगठन से जुड़ी हुई सैकड़ों महिलाएं कल ही पंजाब से दिल्ली के लिए रवाना हो गयी थी। महिलाओं को पहला पड़ाव जींद में था और आज का बड़ा वाला जंतर मंतर पर रहने वाला है। महिलाओं के साथ भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां संगठन के प्रधान जोगेंद्र सिंह उग्राहां भी जंतर–मंतर गए हैं। जोगिंदर उग्राहां का कहना है कि इस मामले में जांच की जरूरत नहीं है। जब बेटियां मन से कह रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए। बृजभूषण शरण को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। अगर सरकार ने जल्द ही बृजभूषण शरण को गिरफ्तार नहीं किया तो वह बड़ा आंदोलन करेंगे। इतना ही नहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने भी देश भर में 11 मई से 18 मई तक महिला पहलवानों के समर्थन में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

मोदी की केवल जैकेट ही मशहूरः खड़गे

कलबुगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केवल उनकी 'जैकेट ही मशहूर है और वह दिन में चार बार इसे बदलते हैं। कलबुर्गी जिले से ताल्लुक रखने वाले खड़गे ने भारत की आजादी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'योगदान का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि जब कांग्रेसी अपने प्राणों की आहुति दे रहे थे, तब आरएसएस के नेता सरकारी पद पाने में व्यस्त थे। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यहां एक जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मोदी कहते रहते हैं कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों में क्या किया है। अरे भाई ! अगर हमने 70 साल में कुछ नहीं किया होता, तो आप इस देश के प्रधानमंत्री नहीं होते। हम आजादी के लिए लड़े। महात्मा गांधी ने अपनी जान जोखिम में डालकर हमें आजादी दिलाई। खड़गे ने कहा, 'देश–दुनिया में 'गांधी टोपी, महात्मा गांधी के कारण ही प्रसिद्ध हुई।' नेहरू शर्ट, नेहरू के कारण प्रसिद्ध हुई। आपकी (मोदी की) सिर्फ जैकेट ही मशहूर है। आप रोजाना चार जैकेट पहनते हैं–लाल, पीली, नीली और केसरिया। अब यह 'मोदी जैकेट के नाम से मशहूर हो रही है।

बड़े मंगल पर बिना अनुमति भंडारा करने पर होगी कार्रवाई, पुलिस आयुक्त से लेनी होगी परमिशन

लखनऊ । बड़े मंगल के दौरान शहर में विभिन्न स्थानों पर होने वाले भंडारे के कारण जाम भी लगता है। इसबार कोई भी आयोजन ऐसे स्थान पर नहीं होगा, जो जाम कारण बने। साथ ही जोन के पुलिस उपायुक्त से भंडारे के आयोजन की अनुमति लेना भी अनिवार्य कर दिया गया है।संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल के मुताबिक सड़क पर पंडाल लगाकर आयोजन होने से भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है और राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बड़े मंगल पर आयोजकों को इसका ध्यान रखना होगा।धारा 144 लागू है। बड़े मंगल से संबंधित किसी भी आयोजन की अनुमति जोन के पुलिस उपायुक्त से लेना अनिवार्य है। सभी आयोजक अनुमति लेकर ही आयोजन करेंगे।बड़ा मंगल से संबंधित कोई भी आयोजन सड़क/सार्वजनिक मार्ग पर न करें, जिससे यातायात बाधित हो। आयोजक, प्रबंधन में लगे।

विहिप और बजरंग दल का बड़ा ऐलान, मतदान से एक दिन पहले पूरे देश में होगा हनुमान चालीसा का पाठ

बेंगलुरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने रविवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा के लिए होने वाले मतदान से एक दिन पहले अर्थात नौ मई को पूरे देश में 'हनुमान चालीसा' के जाप का फैसला किया है। दोनों संगठनों का यह आह्वान पिछले सप्ताह जारी कांग्रेस पार्टी के घोषणा–पत्र में किये गये वादे के प्रतिक्रियास्वरूप आया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा–पत्र में कहा है कि वह जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।पार्टी ने कहा, ''हम मानते हैं कि कानून और संविधान पवित्र हैं और बजरंग दल, पीएफआई जैसे संगठनों या किसी अन्य द्वारा समुदायों के बीच दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा देकर इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है, भले वह बहुसंख्यक समुदाय हो या अल्पसंख्यक।हम ऐसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने सहित कानून के अनुसार निर्णायक कार्रवाई करेंगे।'' विहिप के महासचिव मिलिंद परांदे के अनुसार, ''कांग्रेस और अन्य संगठनों तथा उनके कार्यकर्ताओं को सद्बुद्धि प्रदान करने के लिए 'बजरंग बली' का आह्वान करने का कार्यक्रम तय किया गया है।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''यह बहुत ही अपमानजनक है कि कर्नाटक कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में पार्टी ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया है और उसके बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में कांग्रेस और कुछ अन्य हिंदू–विरोधी नेताओं ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

सभी देशवासियों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से अपील

सम्पादक–बी.पी. साहू
8423454502 9335908846

पहले मतदान फिर जलपान

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

संपादकीय

गर्मी में सर्दी

मई की शुरुआत में जब पूरा देश लू की चपेट में होता है उस समय जब लोगों को गरम कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग के संकट ने दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कहने को यह मौसम पश्चिमी विक्षोभ की देन है लेकिन सवाल यह है कि समुद्र के मिजाज में यह परिवर्तन क्यों आ रहा है। बताया जा रहा है कि दस मई तक किसी भी इलाके में गरम लहरें नहीं महसूस होंगी। तमाम इलाकों में बारिश व ओलावृष्टि तथा पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हैरत में डाल रही है। कमोबेश देश के अधिकांश भागों में मौसम के मिजाज में यह तीव्र बदलाव महसूस किया गया है। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में सुबह धुंध जैसी स्थिति नजर आई है। लोग भले ही इस मौसम को सुहावना बता रहे हों, लेकिन किसान अभी खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह काट नहीं पाये हैं। यदि अन्न बर्बाद होता है तो हमारी खाद्य श्रृंखला भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगी। महंगाई की मार से हमें दो-चार होना पड़ेगा। यही वजह है कि किसान के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं। निस्संदेह, जब मई के महीने में फरवरी-मार्च के मौसम का अहसास होने लगे तो इसे खतरे की घंटी के तौर पर देखा जाना चाहिए। ये हाल उस मौसम में है जब देश के विभिन्न भागों में भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान पचास डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचता है। इस समय सूर्य पूरे ताप के साथ नजर आता है। हालांकि, अप्रैल में कुछ समय भरपूर गर्मी रही लेकिन बाद में माह के अंत और मई की शुरुआत में तापमान अचानक बदल गया। यह स्थिति सिर्फ उत्तर भारत में ही हो, ऐसा भी नहीं है। इसका प्रभाव दक्षिणी, पश्चिम, मध्य व पूर्वी भारत में भी नजर आ रहा है। यहां तक कि कई इलाकों में तापमान में दस डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई।

मौसम के मिजाज में आये इस अप्रत्याशित बदलाव को देखकर लोग हैरत में हैं कि क्या वाकई ये मई का महीना है? क्या गर्मी आएगी भी? दरअसल, जिस समुद्री व्यवहार में बदलाव को इस मौसम की वजह बताया जा रहा है, उसके निकट भविष्य में फिर दोहराये जाने की बात भी कही जा रही है। कमोबेश भारत ही नहीं, पूरे यूरोप भी में मौसम की ऐसी तल्खी नजर आ रही है। तमाम यूरोपीय देशों में तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यह कटु सत्य है कि जब भारत में ठंड का अहसास हो रहा है तो पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। वहीं दक्षिण भारत में तेज बारिश से तापमान में गिरावट आई है। सभी राज्यों में मई में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। पूर्वोत्तर भारत में ऐसी ही स्थिति है। भविष्य में कई राज्यों में तूफान व बारिश की भविष्यवाणी की जा रही है। कुछ लोग पाकिस्तान की तरफ से अरब सागर के जरिये उठने वाले वातावरणीय दबाव को बारिश व तूफान का कारण बता रहे हैं। जिसके चलते मौसम के रोज नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान में जुटे हैं।

कि किस वजह से इस साल फरवरी के महीने में अप्रत्याशित गर्मी पड़ी थी। बताते हैं कि पिछली पूरी सदी में भी पृथ्वी फरवरी में कभी इतनी गर्म नहीं रही। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल अभी नौ बार पश्चिमी विक्षोभ का असर नजर आयेगा।

विदेशों में भारतीयों की सफलता में हमारे संस्कारों का सबसे अहम योगदान है

चुनाव हमारे जनतंत्र की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। आज़ादी के बाद जब चुनावों का सिलसिला शुरू हुआ तो पांच साल बाद चुनाव का शोर सुनाई देता था, पर अब तो आये दिन चुनाव होते रहते हैं, कभी पंचायतों के, कभी विधानसभाओं के और कभी संसद के। मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश आदि के चुनाव खत्म हुए नहीं थे कि कर्नाटक के चुनाव आ गये। इसके बाद नज़्बर राजस्थान, छज़्ीसगढ़ आदि राज्यों का है और फिर 2024 में तो आम चुनाव हैं ही। इस सबके चलते ही ऐसा लगता है, जैसे हमारे नेता चुनाव-प्रचार में ही लगे रहते हैं। यह भी समझ नहीं आता कि वे राजकाज की चिंता कब करते हैं और कब सज़ारूढ़ दल चुनाव-प्रचार कर रहा होता है। इसी का परिणाम है कि हमारी समूची राजनीति एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिमट कर रह गयी है।इस सबके बावजूद चुनावों का स्वागत ही होना चाहिए, ज़्योंकि यह चुनाव ही जनता को अवसर देते हैं

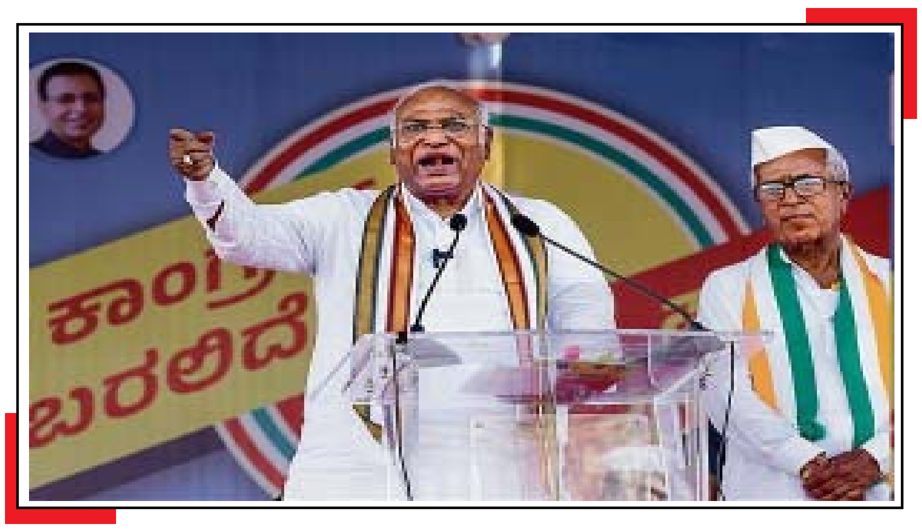

चुनाव हमारे जनतंत्र की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। आज़ादी के बाद जब चुनावों का सिलसिला शुरू हुआ तो पांच साल बाद चुनाव का शोर सुनाई देता था, पर अब तो आये दिन चुनाव होते रहते हैं, कभी पंचायतों के, कभी विधानसभाओं के और कभी संसद के। मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश आदि के चुनाव खत्म हुए नहीं थे कि कर्नाटक के चुनाव आ गये। इसके बाद नम्बर राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों का है और फिर 2024 में तो आम चुनाव हैं ही। इस सबके चलते ही ऐसा लगता है, जैसे हमारे नेता चुनाव-प्रचार में ही लगे रहते हैं। यह भी समझ नहीं आता कि वे राजकाज की चिंता कब करते हैं और कब सत्तारूढ़ दल चुनाव-प्रचार कर रहा होता है। इसी का परिणाम है कि हमारी समूची राजनीति एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिमट कर रह गयी है।इस सबके बावजूद चुनावों का स्वागत ही होना चाहिए, क्योंकि यह चुनाव ही जनता को अवसर देते हैं अपने नेताओं से यह पूछने का कि वे जनता के हितों के लिए क्या और कैसे काम कर रहे हैं। यह मौका होता है सत्तारूढ़ दल के लिए अपने किये का लेखा-जोखा देने का और विपक्ष के लिए यह बताने का कि बेहतर शासन देने के लिए उसके पास क्या योजनाएं हैं, कौन-सी नीतियां हैं। पर क्या सचमुच ऐसा होता है?हां, घोषणापत्रों के जरिये ऐसा कुछ बताने-जताने की कोशिश तो होती है, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के आखिरी दिनों तक घोषणापत्र जारी करने की प्रतीक्षा की जाती है उससे तो यही लगता है कि घोषणापत्र या संकल्प-पत्र आदि तो जैसे एक परम्परा निभाने की चीज़ बन कर रह गये हैं। समूचा चुनाव-प्रचार इस बात की गवाही दे रहा है कि घोषणा-पत्र और नीतियां-कार्यक्रम आदि हाथी के दिखाने वाले दांत मात्र हैं। खाने के दांत तो वह आरोप-प्रत्यारोप हैं जो हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर लगाते हैं। कभी धर्म के नाम पर मतदाता को भरमाया जाता है, कभी जाति के नाम पर। कभी उम्मीदवारों और अन्य प्रतिपक्षी राजनेताओं के व्यक्तिगत जीवन की परतें उधेड़ी जाती हैं और कभी सच्चे-झूठे आरोप लगा कर घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है। विचार नहीं, व्यक्ति को केंद्र में रख कर चुनाव-प्रचार को धार दी जाती है।

चुनाव-प्रचार का एक और तरीका 'विक्टिम कार्ड' खेलने का है। अंग्रेज़ी के इस शब्द का अर्थ है अपने साथ होने वाली ज़्यादती की कथा सुना कर मतदाता को प्रभावित करना। यह कोशिश कहां तक जा सकती है, इसका ताज़ा उदाहरण सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार-तंत्र द्वारा प्रधानमंत्री को कहे गये कथित अपशब्दों की संख्या प्रचारित करना है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक चुनावी-सभा में इस आकलन का हवाला देते हुए कहा है कि किसी ने गिनती करके बताया है कि विपक्ष अब तक उन्हें इक्यानवे अपशब्द कह चुका है। अपशब्द कहने का मतलब है गाली देना। यह शब्द लिखे जाने तक इन 'गालियों' में एक की वृद्धि हो गयी है। भाजपा के प्रचारक यह कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष के पुत्र ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नालायक बेटा' कह कर आपराधिक काम किया है। इससे पूर्व स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष पर यह आरोप लग चुका है कि उन्होंने भी 'जहरीला सांप' कहा था। मज़े की बात यह है कि इस तरह से शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाना एक पार्टी को बखूबी आता है। 'मौत का सौदागर' या 'हिटलर' जैसे शब्दों को चुनावों में किस तरह से भुनाया जा सकता है इसके उदाहरण पिछले चुनावों में हम देख चुके हैं।

सवाल ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल करने की राजनीतिक भूल का उतना नहीं है जितना इस बात का कि हमारी राजनीति का स्तर इतना नीचा क्यों हो गया है? सवाल इस बात का भी नहीं है कि किसने किसको कितने ज़्यादा अपशब्द कहे, सवाल इस बात का है कि नीतियां या कार्यक्रम चुनाव-प्रचार का हिस्सा क्यों नहीं बनते?

अपशब्दों की यह राजनीति कुल मिला कर हमारी शानदार जनतांत्रिक परम्परा को कलंकित ही कर रही है। सवाल प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के प्रति अशालीन और अनुचित शब्दों के प्रयोग का नहीं, ऐसे शब्दों को हमारी राजनीति का हिस्सा बनने की शर्मनाक स्थिति का है।

यह घटिया राजनीति का उदाहरण है और ऐसी घटिया राजनीति के लिए हमारी जनतांत्रिक परम्परा में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

ऐसा नहीं है कि यह प्रवृत्ति चुनावी-प्रचार के दौरान ही दिखाई देती है, विधान सभाओं और संसद तक में ऐसी घटिया शब्दावली काम में ली जाती है। लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों द्वारा सदस्यों के बोले शब्दों के कार्रवाई से हटाने के ढेरों उदाहरण हैं। यह सही है कि कई बार 'कार्रवाई से हटाने' के आदेशों पर राजनीतिक उद्देश्यों के आरोप भी लगे हैं, लेकिन इससे 'असंसदीय भाषा' अपनाने की अनुमति नहीं मिल जाती। असंसदीय शब्द बहुत शालीन है। हमारे राजनेता जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल अक्सर करते दिखाई देते हैं, उन्हें सिर्फ अशालीन ही कहा जा सकता है और सभ्य राजनीति में अशालीनता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसी अशालीनता तो आपराधिक है ही, नेताओं द्वारा विरोधी की ऐसी चूक का राजनीतिक लाभ उठाना भी अनुचित ही है। जितना गलत 'ज़हरीला सांप' कहना है, उतना ही गलत ऐसी चूक का राजनीतिक लाभ उठाना भी है। परिपक्व और सभ्य राजनीति में ऐसी चूक का लाभ उठाने की प्रवृत्ति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। झूठे-सच्चे व्यक्तिगत आरोप हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं बनने चाहिए, चुनाव-प्रचार नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर होना चाहिए।

75 साल का हो चुका है हमारा जनतंत्र। हमारी जनतांत्रिक परम्परा का एक शानदार इतिहास रहा है। आज आवश्यकता एक शानदार इतिहास रचने की है। जो नेता जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा उसका यह दायित्व है कि वह जनतांत्रिक परम्परा को बढ़ावा दे। मुझे याद है देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का पहला भाषण मैंने 1957 के चुनाव-प्रचार के दौरान सुना था। तब उन्होंने कहा था, इस क्षेत्र के हमारे उम्मीदवार का नाम मुझे याद नहीं, पर मैं आपसे यह कहने आया हूं, कि आप कांग्रेस की रीति-नीति के आधार पर उसे वोट दें। स्वस्थ राजनीति का यह उदाहरण अब हमारी राजनीति में कब देखने को मिलेगा? कब सिद्धांतों की राजनीति होगी? आदर्शों-मूल्यों के आधार पर कब चुनाव लड़े जाएंगे। कब गालियां देने और गिनने के बजाय अच्छे-बुरे काम गिने-गिनाये जाएंगे?यह शब्द लिखे जाने तक इन 'गालियों' में एक की वृद्धि हो गयी है। भाजपा के प्रचारक यह कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष के पुत्र ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नालायक बेटा' कह कर आपराधिक काम किया है। इससे पूर्व स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष पर यह आरोप लग चुका है कि उन्होंने भी 'जहरीला सांप' कहा था। मज़े की बात यह है कि इस तरह से शब्दों का राजनीतिक लाभ उठा रहे हैं।

डॉयवर्स शूटआउट और द केरला स्टोरी का कनेक्शन ..!

सोशल मीडिया पर अभी कुछ दिनों पूर्व एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस शालिनी का डाइवोर्स फ़ोटो शूट वायरल हुआ था। यह थोड़ा अटपटा और फनी था क्योंकि हम अभी भी डाइवोर्स को बेहद ख़राब मानते हैं ।एक दो दिन में समझ में आया और फिर पूरी केरला स्टोरी का खुलासा यूं हुआ कि शालिनी का निकाह रियाज़ से हुआ था। पूर्व में भी शालिनी ने पति के ख़िलाफ़ शारीरिक और मानसिक पीड़ा की शिकायत की थी । नहीं माना, तलाक़ दे दिया । ऐसे किसी भी बंधन से छुटकारा मिलता है तो खुश होना लाजमी है , खुशी होनी ही चाहिए और जीवन बहुत बड़ा है, ऐसी कड़वी यादों को भुला कर आगे बढ़ना ही समझदारी है ङ्क दोनों के लिए । भारत में लव जिहाद में लड़कियाँ हैं जो अब्यूसिव मैरिज में हैं । पति मार पीट गाली गलौज सब करते हैं, बाहर अफ़ेयर भी हैं । पत्नी का काम घर पर खाना बनाना और बच्चे पालना है ।चूँकि वह आर्थिक सक्षम नहीं हैं, तो सह रही हैं । यदि वह भी आर्थिक सक्षम हों तो कोई मनुष्य पशु जीवन स्वेच्छा से ख़ुशी ख़ुशी नहीं जीता ।

ये बात अलग है कि समय के साथ आदत हो जाती है और फिर यह तुलना होती है कि पति अब बदल गये हैं, पहले रोज़ मारते थे अब तीसरे दिन ही मारते हैं । जैसे जैसे महिलायें आर्थिक सक्षम होंगी, तलाक़ के मामले बढ़ने ही हैं ।उच्च आय वर्ग में अब तलाक़ लगभग उतना ही कॉमन है जितना पश्चिम के देशों में है । हाँ मध्यम वर्ग में जिन केसेज में महिलायें पूरी तरह से आर्थिक रूप से पति पर निर्भर हैं वहाँ तलाक़ ने अभी दस्तक नहीं दी है, पर बस यह अंतिम पीढ़ी है । उन घरों में भी नई जनरेशन पढ़ लिख रही है, लड़कियाँ वहाँ भी अब पढ़ी लिखी आर्थिक मज़बूत निकल रही हैं ।कभी कभी मैं यह विचार करने को बाध्य हो जाती हूं कि क्या हम उसी हिंदू संस्कृति या फिर आर्य संस्कृति के वाहक हैं जिसने अपनी कन्याओं को स्वयंवर अर्थात अपना जीवनसाथी / पति को स्वयं ही चुनने की स्वतंत्रता या फिर अधिकार प्रदान की थी जबकि पूरे विश्व में अन्यत्र किसी भी पंथ ,मजहब और रिलीजन में लड़कियों को यह अधिकार नहीं दिया गया था। आखिर क्या कारण है जो आज हमारी लड़कियां अपना विवेक, बुद्धि और सामान्य ज्ञान से रहित हो गई हैं जो अपने लिए सही प्रेमी या पति का चुनाव करने में सक्षम नहीं हैं। हमारी सभ्यता में ही सावित्री ,माता सती ,माता पार्वती,दुर्गावती आदि ने स्वयं ही अपने भावी पति का चुनाव किया था और सही चुनाव किया था।

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

वो खेलतीं है पुरूषों की भावनाओं से, जो पहाड़ से सब्र और मजबूती का पुरूष उनके प्रेम में कभी बच्चा बन गया होता है वो उसका भी बड़ी स्मार्टली यूज करके, उसे फिजीकल, इमोशनल, फाइनेंशियल हर तरह से चूस कर निकल जातीं है और सेटल हो जाती है फिर किसी नये शिकार के साथज फिर वही मीठी बातें, वहीं नखरीली अदायें, वैसी ही इंस्टा पोस्ट्स और वैसा ही शोषण।

ठीक है कि सेक्युलर शिक्षा और जिहादी बॉलीवुड ने लड़कियों की बुद्धि भ्रष्ट कर दी है लेकिन हमारे परिवार अपना धर्म और कर्तव्य निभाने में असमर्थ क्यों और कैसे हो गए कि अपने संतानों में विशेष कर लड़कियों को सामान्य ज्ञान और सामान्य शत्रु बोध भी नहीं सीखा सके ।

आखिर क्यों एक युवा लड़की चार बीवियों , तीन तलाक़, हलाला , कुफ्र और शबाब वाले इस लाम की सच्चाई से अवगत नहीं है ? क्यों एक सामान्य हिंदू लड़की को मुस्लि म समाज की स्त्री विरोधी सच्चाई का ज्ञान तक नहीं है लेकिन वह अपने हिंदू धर्म की सामाजिक बुराइयों और कुप्रथाओं के विरोध में लंबे भाषण दे सकती है जबकि वह कुप्रथाएं अब दूर भी की जा चुकी हैं । आखिर क्यों एक हिंदू लड़की अपने घर में तो मिनी स्कर्ट पहनने से रोकने पर आसमान सर पर उठा लेती है लेकिन हिजाब और बुर्का पहन लेने में उसको कोई भी आपत्ति नहीं होती है। मेरा मानना है कि एक अभिभावक के रूप में ही हिंदू समाज का एक बड़ा हिस्सा असफल हो गया है और इसलिए लव जिहाद की सबसे ज्यादा पीड़ित लड़कियां हिंदू ही हैं ,विचार कीजिए क्योंकि इसी साधारण से प्रश्न में लव जिहाद की भयावह स्थिति के बीज छुपे हुए हैं ।ये बहुत कम लोगों को पता होगा कि द केरल स्टोरी के लेखकों ने जब वहाँ के राज्य सरकार से आरटीआई के तहत यह जानकारी चाही कि केरल से अब तक कितनी हिंदू एवं ईसाई लड़कियाँ को सीरिया के आतंकी संगठन आई एस आई के लिए धर्मांतरित करके वहाँ के मौलानावों द्वारा सप्लाई किया गया तो पहले तो उन्होंने इसे बताने से इनकार कर दिया, बाद में दबाव पड़ने पर उन्होंने आरटीआई के जवाब में एक सरकारी वेबसाईट का नाम लिख दिया और कहा कि सारी जानकारी उस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जब फ़िल्म के लेखकों ने उस वेबसाइट से जानकारी लेने का प्रयास किया तो पता चला कि सरकार ने उस वेबसाइट को इंटरनेट से ही हटा दिया था अथवा ऐसी कोई वेबसाइट पहले से थी ही नहीं। केरल के कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री का बयान है कि केरल से हिंदू ईसाई लड़कियों को वहाँ के मौलानाओं ने धर्मांतरित करके सीरिया के आतंकियों को सेक्स स्लेव बनाकर भेज दिया। फ़िल्म ऑथेंटिक न लगे इसके लिए सारे डेटा को वेबसाइट से हटा लिया गया। अब जब डेटा ही नहीं है तो शशि थरूर से लेकर ज़ुबैर गैंग तक सब इस फ़िल्म को प्रॉपगेंडा फ़िल्म बताने में लगे हैं। इस पूरे गिरोह से पूछा जाना चाहिए कि जब तुम लोगों को लग रहा है कि फ़िल्म में ग़लत बातें दिखाई जाने वाली हैं तो ख़ुद तुम लोग क्यों नहीं सारे डेटा को वहाँ के सरकार से सार्वजनिक कराते हो? ज़ुबैर तो भारत में अप्रत्यक्ष तौर पर प्रपोगैंडा एजेंट है, वह जिस व्यक्ति का नाम लेकर चीखने चिल्लाने लगता है ।

अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा की वेब सीरीज दहाड़ का ट्रेलर जारी

अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दहाड़' से बॉलीवुड की दबंग गर्ल अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा अभिनेता विजय वर्मा के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने वाली हैं। इस वेब सीरीज का ट्रेलर जारी कर दिया गया है और इसमें वो एक दबंग पुलिस वाली के किरदार में नजर आ रही हैं जो सीरियल किलिंग के मामले को सुलझाने की कोशिश करती नजर आती हैं। हत्यारे की तलाश में निकलते समय वह हरियाणवी लहजे में दृढ़ता से दहाड़ती हुई दिखाई देती है। ट्रेलर का एक सीन बेहद खास है और एक अहम मुद्दे को हाइलाइट करता है। इसमें पुलिस की वर्दी में खड़ी सोनाक्षी सिन्हा को भी लड़कों द्वारा ईव टीजिंग का शिकार होना पड़ता है। ये सीरीज कुल 8-एपिसोड की सीरीज है। कुल 8-एपिसोड की सीरीज में अभिनेता गुलशन भी इसमें एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। ओटीटी स्पेस में सोनाक्षी की यह पहली वेब सीरीज है।

इसके बाद सोनाक्षी संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में भी नज़र आएंगी। रीमा कागती और जोया अख्तर की परिकल्पना को निर्माण की दिशा में अग्रसर होकर रितेश सिधवानी, जोया अख्तर, रीमा कागती और फरहान अख्तर ने संयुक्तरूप से साकार किया है। एक्सल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी की नवीनतम प्रस्तुति के रूप में रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'दहाड़' 12 मई से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

चौथी बार भारत को फ़िर ब्लैक लिस्ट में डालने की सिफारिश की है !

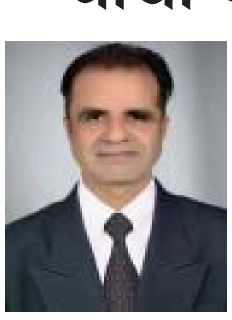

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर जिस तेजी के साथ भारत हर क्षेत्र में झंडे गाड़ते हुआ तीव्रता से आगे बढ़ रहा है तो रुकावटें रोड़े मतभेद आलोचना होना लाज़मी है, क्योंकि जो व्यक्ति विशेष, संस्था, समाज या देश तेजी से प्रगति कर अपनी मंजिल की ओर बढ़ते हैं, तो ईर्ष्यालुयों की फौजी से जांबाज़ी और ज़ज्बे से मुकाबला करना होता है ।क्योंकि ऐसे लोगों की फितरत ही होती है कि हमसे आगे ऐसे कैसे कोई बढ़ सकता है। इसलिए उसकी राहों में कांटे बिछाने से भी ऐसे तत्व नहीं हिचकते, जिसका उदाहरण न केवल हम हर क्षेत्र में देखते हैं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी कई बार ऐसे देखने को मिलता है, क्योंकि वहां की विचारधाराएं कई खेमों में भर्ती होती है। कोई उन्नति को सकारात्मकता से देखता है तो कोई नकारात्मकता से, बीते दिनों हमने मीडिया में देखे कि किस तरह एक अति उन्नत देश का संसद सदस्य और एक हाईप्रोफाइल उद्योगपति भारतीय नीतियों, हमारे पीएम की विचारधारा जो उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है की आलोचना कर नरेटिव खड़ा करने की कोशिश किए थे पर सफल नहीं हो सके। ठीक उसी तरह अनेक वैश्विक एजेंसियों द्वारा अनेक क्षेत्रों में वैश्विक इंडेक्स जारी किया जाता है जिसमें हमारे देश की वास्तविक स्थिति के अनुकूल अनुक्रमांक नंबर नहीं देकर हमें पड़ोसी देशों के स्तर से भी बहुत नीचे की रैंकिंग दी जाती है,जो वास्तविकता से एकदम परे और भिन्न होती है जिसका उदाहरण हमने वैश्विक भुखमरी सूचकांक, धार्मिक स्वतंत्रता सूचकांक सहित अनेक वैश्विक सूचकांकों में देखने को मिलती है ।चूंकि दिनांक 2 मई 2023 कोअमेरिकी विदेश मंत्रालय के अधीन यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम ने लगातार चौथी बार अपनी वार्षिक सिफारिश में भारत को फिर ब्लैक लिस्ट में डालने की सिफारिश की है जो मेरा मानना है पूर्व नियोजित सोच का नतीजा हो सकता है, जिसे भारत सरकार द्वारा गलत बताकर अफसोस जाहिर करना लाज़मी है। उधर भारत के बढ़ते रुतबे, प्रतिष्ठा को हम देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सिफारिश पर भारतीय मूल के अजय बंगा 2 जून 2023 से विश्व बैंक के प्रमुख का पद संभालेंगे तथा ब्रिटिश के प्रधानमंत्री सहित अनेक वैश्विक संस्थाओं, कंपनियों, कारपोरेट जगत, राजनीति में प्रमुख पदों पर भारतीय मूल के व्यक्ति ही पद आसीन हैं जो रेखांकित करने वाली बात है, और भारत की छवि हमेशा धर्मनिरपेक्षता जहां हर धर्म समुदाय को अन्य देशों की तुलना में अधिक सुरक्षित वह खुशहाली है। हालांकि इस सिफारिश को मानना या रिजेक्ट करना अमेरिकी सरकार के अधीन है और वहां के राष्ट्रपति और हमारे पीएम की अभूतपूर्व दोस्ती से इस सिफारिशों का मूल्यांकन शून्य है। परंतु फिर भी भारत की प्रतिष्ठा का सवाल है और भारत अमेरिका की बढ़ती दोस्ती, व्यापार, साझेदारी,वैश्विक नेतृत्व की बढ़ती स्थिति में एक दूसरे पर इस प्रकार की सिफारिशों से विक प्वाइंट उभरते हैं जो बढ़ती साझेदारी में रोड़ा बन सकते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अमेरिकी पैनल यूएससीआईआरएफ ने भारत को चौथी बार फिर ब्लैक लिस्ट में डालने की सिफारिश की है जो तथ्यों से परे है।

साथियों बात अगर हम यूएससीआईआरएफ 2023 सिफारिशों की करें तो, अमेरिकी आयोग की साल 2020 से ही मांग है कि भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में शामिल किया जाए। बता दें कि किसी देश पर यह टैग लगने का अर्थ है कि सरकार धार्मिक स्वतंत्रता का नियमित रूप से गंभीर उल्लंघन कर रही है।अगर अमेरिका विदेशमंत्रालय किसी देश पर यह टैग लगाता है तो उस देश पर अमेरिका से आर्थिक लेन देन पर प्रतिबंध भी लगते हैं और ये लेबल उन देशों पर लगाई जाती है जो धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं। यूएससीआईआरएफ ने आरोप लगाया है कि केंद्रीय सरकार ने भी आलोचनात्मक आवाजों को दबाना जारी रखा। विशेष रूप से धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनकी ओर से वकालत करने वालों को। इनमें निगरानी, उत्पीड़न, संपत्ति के विध्वंस और गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत हिरासत के माध्यम से और विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को लक्षित करना शामिल है यूएससीआईआरएफ 2023 ने अपनी रिपोर्ट के भारत खंड में आरोप लगाया है कि 2022 में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति लगातार खराब होती गई। पूरे साल के दौरान, भारत सरकार ने राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर धार्मिक रूप से भेदभावपूर्ण नीतियों को बढ़ावा दिया और लागू किया। इनमें धर्मांतरण, अंतर्धार्मिक संबंधों, हिजाब पहनने, और गौ हत्या को लक्षित करने वाले कानून शामिल हैं, जो मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, दलितों और आदिवासियों (स्वदेशी लोगों और अनुसूचित जनजातियों) को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने मांग की है कि भारत को उस काली सूची में डाला जाए, जहां धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्यधिक प्रताड़ना करने वाले मुल्कों को रखा जाता है। इस आयोग को धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में सिफारिश करने का अधिकार है लेकिन उसे मानना या ना मानना अमेरिकी सरकार पर निर्भर करता है।भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध तेजी से गहरे हो रहे हैं, लिहाजा इसकी संभावना कम ही है कि भारत के बारे में आयोग की सिफारिश को माना जाएगा। पिछले चार साल से लगातार आयोग यहसिफारिश कर रहा है।अमेरिका का विदेश मंत्रालय हर साल ऐसे देशों की सूची जारी करता है, जहां धार्मिक स्वतंत्रता को खतरे में माना जाता है। इस कथित ब्लैक लिस्ट में शामिल देशों पर हालात में सुधार ना होने की स्थिति में प्रतिबंध लगाए जाने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

-सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

गहमरी जल्द घोषित करेंगे भोजपुरी महासभा समर्पित मेयर व पार्षद प्रत्याशी

बीपीएस न्यूज

अखिल भारतीय भोजपुरी महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्र छठ पूजा समिति अध्यक्ष संतोष गहमरी ने भोजपुरी महासभा की बैठक कर सभी लोगों की अनुमति से तय किया कि बहुत जल्दी भोजपुरी महासभा के लोग शहर में चुनाव लड़ रहे हैं पार्षद ,मेयर प्रत्याशियों को भोजपुरी महासभा समर्पित प्रत्याशी बनाएंगे जिसकी लिस्ट बहुत जल्द ही जारी करेंगे भोजपुरी महासभा के लोग उन प्रत्याशियों को जिताने का काम करेंगे साथ ही साथ गहमरी ने बताया की कि भोजपुरी महासभा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अपने वोट का प्रयोग करने के लिए भोजपुरी रथ निकालेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ आनंद झा छोटे लाला अमित यादव फैजुद्दीन मुन्ना चौहान अरविंद बेली राम बहादुर धीरेंद्र पासवान प्रभात पाल रमाकांत गब्बर मनोज आदि लोग थे।

अनियंत्रित लोडर पलटने से दो किशोरों की मौत, आठ घायल

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर/ कानपुर देहात। घाटमपुर से बारात कर शिवली जा रहा डीजे व रोड लाइट में काम करने वाले बच्चों से भरा लोडर कानपुर नगर के तेजपुर गांव के पास नाला मोड़ पर भूसा लदी ट्रैक्टर ट्राली से टकराकर लोडर पलट गया। जिससे चालक,दो युवक व सात बालक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां दो किशोर की मौत हो गई। जबकि तीन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया ।शिवली कोतवाली क्षेत्र के डब्बा निवादा गांव से बुधवार की रात बारात कानपुर नगर के घाटमपुर गई थी। बारात में शिवली के डीजे एवं रोड लाइट की बुकिंग थी। जिस पर संचालक आनंद कश्यप अपने लोडर से अधिकांश दस से सोलह वर्ष के बच्चों को रोड लाइट में काम करने के लिए साथ लेकर ले गया था। देर रात बारात में शामिल होने के बाद आनंद लोडर में बच्चों को बैठाकर वापस शिवली जा रहा था। तभी घाटमपुर-गजनेर मार्ग पर तेजपुर नाला मोड़ पर भूसा लदी ट्रैक्टर ट्राली से टकराकर तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर पलट गया।

जिससे चालक आनंद कश्यप, मुन्ना निवादा निवासी विशाल (14) पुत्र कमलेश, कानपुर नगर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के बाछीपुर निवासी अर्जुन (12) पुत्र तोतानाथ की हादसे में मौत हो गई। यहीं के विवेक कुमार (11) पुत्र प्रेमनाथ,रवि (11) पुत्र लल्ला नाथ,शिवली निवासी ॠतिक कश्यप (15) पुत्र आनंद कश्यप,यही के आनंद कुमार (45),रोहित (16) पुत्र शिवप्रसाद,बौरा (12) अनिल कुमार व शिवली क्षेत्र के औनहां निवासी बीरेंद्र कुमार (18) पुत्र नयन नाथ गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची गजनेर थाना पुलिस ने सभी को सीएचसी गजनेर में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने विशाल व अर्जुन को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में दो किशोर की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर ॠतिक कश्यप, विवेक कुमार व वीरेंद्र कुमार को जिला अस्पताल अकबरपुर रेफर किया गया। गजनेर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार शुक्ला ने बताया कि घटना कानपुर नगर क्षेत्र की है। सूचना पर पहुंचकर लोडर पलटने में घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। जहां दो किशोर की मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

कानपुर: आश्रम में मृत पाया गया प्रॉपर्टी डीलर, पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिधनू के स्वयंभू संत संतोष सिंह भदौरिया उर्फ करौली बाबा के आश्रम में एक प्रापर्टी डीलर का शव रहस्यमय परिस्थितियों में उसके कमरे में पाया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिधनू के थानाध्यक्ष सतीश राठौर ने बुधवार को बताया कि प्रॉपर्टी डीलर देवेंद्र सिंह भाटी (55) रविवार को करौली बाबा के करौली स्थित आश्रम के अपने कमरे में मृत पाया गया था। भाटी योग अभ्यास और डिटॉक्स सत्र के लिए करीब पांच दिन पहले नोएडा से बिधनू के करौली बाबा आश्रम पहुंचा था। अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अंकिता शर्मा ने बताया कि भाटी की मौत के कारण का तत्काल पता नहीं चल सका है। डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान विसरा को सुरक्षित कर लिया गया है।

इस मामले में अभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। हालांकि पुलिस जांच कर रही है। थानाध्यक्ष राठौर ने बताया कि भाटी को आखिरी बार रविवार सुबह अपने कमरे में प्रवेश करते हुए देखा गया था। शाम को आश्रम के सेवकों ने बार-बार दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़ा तो भाटी को मृत पाया।

उन्होंने कहा, हमने फोरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया था, उन्होंने जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया है।

हालांकि एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कुछ सेवादारों (आश्रम के सेवकों) ने बताया था कि भाटी के शव पर खून के निशान पाए गए थे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने के दौरान उनकी नाक से खून बह रहा था। इसके अलावा उसके पैर के अंगूठे पर खरोंच के निशान थे। आध्यात्मिक उपचार के माध्यम से बड़ी बीमारियों को ठीक करने का दावा करने वाले करौली बाबा, इसी साल 22 फरवरी को अपने एक कार्यक्रम में सवाल पूछने पर नोएडा के एक डॉक्टर के साथ आश्रम के कर्मचारियों द्वारा की गयी मारपीट के मामले को लेकर सुर्खियों में आये थे।

21 विद्धान आचार्य के सानिध्य मे भगवान परशुराम के श्री विग्रह का अभिषेक व पूजन किया

समिति के अध्यक्ष भूपेश अवस्थी ने कहा कि युवाओ को सही मार्ग दर्शन दिखाने की जरूरत है

बीपीएस न्यूज

कानपुर के हास्य कवि हेमंत पाण्डेय ने कानपुर के अंदाज मे बेरोजगार युवक नेता बन सकता है पर अपनी वाणी से लोगो को गुदगुदाया। बिहार से आये कवि शशिकांत यादव ने लालू के 12 बच्चो पर कटाक्ष करते हुये देश मे बढ़ती जनसंख्या को रोकने के लिए कोई कारगार कदम उठाने पर जोर किया ।कानपुर कवि शम्भू शिखर, हेमत पाण्डेय, कवियित्री कविता तिवारी,हास्य कलाकार अन्नू अवस्थी,शशि कान्त यादव कवि ने शिरकत कर काव्य पाठ किया ।मंच का संचालन शशि कान्त यादवने किया ।कवयित्री कविता तिवारी ने यदि औषधि अनूकुल मिले तो सर्प दंश मिट जाता है। आआज देश के हर विभाग मे अपने कार्य से राज कर देश की शोभा बढ़ाने का कार्य कर रही है। अपने ओजस्वी वाणी से आये लोगो को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। हास्य कवि शम्भू शिखर ने जब तक खाते मे 15 लाख नही आते तब तक केन्द्र मे भाजपा की सरकार बनती रहेगी पर कटाक्ष किया। मंच का संचालन शशि कान्त यादवने किया ।कवयित्री कविता तिवारी ने यदि औषधि अनूकुल मिले तो सर्प दंश मिट जाता है। आआज देश के हर विभाग मे अपने कार्य से राज कर देश की शोभा बढ़ाने का कार्य कर रही है। अपने ओजस्वी वाणी से आये लोगो को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। हास्य कवि शम्भू शिखर ने जब तक खाते मे 15 लाख नही आते तब तक केन्द्र मे भाजपा की सरकार बनती रहेगी पर कटाक्ष किया।

परशुराम जयंती पर अवकाश व सामान्य वर्ग को छात्रवृत्ति की मांग

दिलीप कुमार मिश्रा

बाहमण समन्वय समिति के तत्वावधान मे आज भगवान परशुराम वाटिका,बिजेंद्र स्वरूप पार्क, मोतीझील मे बाहमण सम्मेलन व विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जिसमे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन देने का निर्णय लिया ,जिसमे परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश व सामान्य वर्ग को छात्र वृत्ति देने की मांग किया। जिसमे प्रमुख रूप से अरूण चैतन्य पुरी महराज,सांसद सत्यदेव पंचौरी, अभिताभ पाण्डेय, दिवाकर मिश्रा आदि ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा को बढाया।

मान्यताप्राप्त यूनियन सिर्फ चंदा वसूल रही

मुख्यालय मे स.महामंत्री रूपम पाण्डेय के नेतृत्व मे जन सम्पर्क अभियान चलाया गया जिसमे मण्डल के पदाधिकारी और सभी शाखाओ के पदाधिकारी, डेलिगेट मौजूद रहे ।सम्पर्क अभियान मे कर्मचारियो की समस्याओ को सुना गया और संगठन के किये कार्यो पर चर्चा की गई।

कर्मचारियो ने बताया की मान्यताप्राप्त यूनियन सिर्फ चंदा वसूल रही बाकि कर्मचारियो की समस्याओ पर कोई सुनवाई नही तथा मान्यताप्राप्त यूनियन के नेता सिर्फ अपनी मनचाही सीटो पर कार्य कर रहै और सुविधा ले रहे और समान्य कर्मचारी भुगत रहा।

सम्पर्क अभियान मे मण्डल अध्यक्ष अजय सिंह, मण्डल कार्यकारी अध्यक्ष प्रह्लाद कुमार, मण्डल संगठन मंत्री सभाजीत चौबे, शाखा अध्यक्ष राजकुमार दास, अमरेंद्र तिवारी, शाखा मंत्री अरविंद कुमार सोनी, लाला रंजय कुमार अम्बष्ठा, मनोज कुमार, पिन्टु कुमार, भरतजी मिस्त्र, विरेन्द्र कुमार, देव राज राय, जे.एस. चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

आगाज कानपुरियों का ग्रान्ड फिनाले 21 जून को

आशीष पान्डेय

कानपुर में मिडास परिवार द्वारा होने वाली पाँचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम आगाज कानपुरियों का के तहत ओरोजिनल बाथरूम सिंगर एवं कानपुर ग्लैमर का आज तृतीय ऑडिशन आर्य नगर

स्तिथ गैंजेस क्लब में आयोजित किया गया ! जिसका आगाज कानपुरियों का ग्रान्ड फिनाले दिनांक 21 जून 2023 रेलवे ग्राउन्ड, निराला नगर कानपुर नगर उ0प्र0 में होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमे मिडास परिवार से कार्यक्रम का आयोजन उपेन्द्र मिश्रा (सीएमडी) एवं शैलेंद्र पांडे (शैलु भैया) रहे ! जिसमें मुख्य अथिति के रूप में काजल किरण , विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री गोपाल तुलसीयान , योग गुरु ज्योति बाबा, आदित्य पोद्दार, मनोज शुक्ला महाकाल उपस्थित रहेज तथा सत्येंद्र अंदाज द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया !देर रात तक चले ऑडिशन का संचालन कर रहे अजय बाजपाई जी ने बताया की स्पेशल चाइल्ड, हैंडीकैप्ट बच्चों का जबरदस्त प्रदर्शन रहा और साथ ही बाथरूम सिंगर, मॉडलिंग, डांसिंग, सिंगिंग, एक्टिंग, एवं मिमिक्री के कानपुर, मैनपुरी, आगरा, लखनऊ, उन्नाव, गोरखपुर आदि जिलों से लगभग 600 से ज्यादा बच्चों ने आज परफॉरमेंस दिया.. ! जज पैनल में अमन शिव हरे, ॠचा मौर्या , ज्योत्सना गुप्ता, पूजा सहानी , सतेंद्र अंदाज , ललित कश्यप , हर्ष हजारिया , श्री सिंह रहें जिसमें अतिथि के रूप में अखिलेश अग्निहोत्री, विनीता अग्रवाल , इला बाजपाई, रोहित सिंह सागरी , कोमल गुनानी , रीता अरोरा, पूजा अग्रवाल , प्रिया यादव,प्रदीप शुक्ला (मोहित), सबबीर भाई कोला, संगीता पॉल रहे ! जिसमें मुख्य रूप से अखिल खरे , निशा अग्रवाल , सुनीता शर्मा, अशोक श्रीवास्तव, पूजा सक्सेना , रोज़ सिंह अर्चना वर्मा,बिंदु अग्रवाल , प्रीति रंजन , सुबोध आर्या , प्रीति सोनकर , राखी गुप्ता , दीप्ति शर्मा , विनीत शर्मा, मोनू बॉक्सर ,अंकुश खुल्लर ,अचिन अरोड़ा आदि लोग मौजूद रहे !

डीएम एवं पुलिस आयुक्त ने अति संवेदनशील, संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 एवं पुलिस आयुक्त बी0पी0 जोगदंड द्वारा संयुक्त रूप से नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन- को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराए जाने हेतु राजकीय इंटर कालेज, चुन्नी गंज, अरसी गर्ल्स जू0हा0 स्कूल, मो0 अली जौहर लाइब्रेरी, चमनगंज, सिटी पब्लिक स्कूल, हुंमायु बाग, सेविलियन पूर्व मा0वि0, ग्वालटोली, एलन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन, आदि अति संवेदनशील/ संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपादित कराए जाने हेतु उपस्थित संबंधित अधिकारियों को अधिकरियों को निम्नलिखित निर्देश दिए गए निरीक्षण के दौरान राजकीय इंटर कालेज, चुन्नीगंज में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक बपाए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा प्रधानाचार्य का स्पष्टीकरण प्राप्त

कर प्रस्तुत किए जाने का निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए गए। समुचित साफ-सफाई व्यवस्था शीघ्र कराए जाने के निर्देश उपस्थित कर्मचारियों एवं नगर निगम टीम को दिए, ताकि मतदान के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अपर नगर मजिस्ट्रेट, चतुर्थ को निर्देशित किया कि राजकीय इंटर कालेज, चुन्नीगंज में कई बूथ होने के कारण मतदाताओं को आने-जाने में असुविधा न हो, इसलिए तीन-चार प्रवेश और निकास द्वार चिन्हित किए जाएं। निर्वाचन प्रक्रिया में लगे सभी अपर नगर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि जिन मतदान केंद्रों में शेड की व्यवस्था नहीं है वहां प्रतीक्षा क्षेत्र में मतदाताओं की सुविधा विशेष रूप से बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाताओं हेतु आवश्यकतानुसार टेंट/छाया व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए ।नगर निगम के समस्त जोनल अधिकारी व नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिन बूथों में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है, वहां परमोबाइल शौचालय की व्यवस्था की जाए। समस्त अपर नगर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि समस्त मोहल्लों एवं विशेष रूप से बहुमंजिला इमारतों वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा मतदान पर्चियों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य को शतप्रतिशत सुनिश्चित किया जाने हेतु रैंडम आधार पर सुपरवाइजरों के माध्यम से जांच करा ली जाए। नगर निगम के संबंधित अधिकारियों द्वारा समस्त मतदान केंद्रों में बूथ संख्या, वार्ड संख्या लिखवाना सुनिश्चित किया जाए जिससे मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निवार्चन प्रक्रिया के दौरान अशांति फैलाने या अव्यवस्था फलाने वालो पर प्रशासन की होगी कडी नजर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर निकाय के चुनाव की तैयारियां प्रत्यार्शियों में जहां जोश भर रही है, शहर में हर तरफ जनसंपर्क और जुलूस का दौर चल रहा है तो प्रशासन भी निवार्चन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए कमर कस चुका है ।नगर निकाय निर्वाचन 2023 के दूसरे चरण में शहर में 11 मई को मतदान होना है। प्रशासन द्वारा निर्वाचन चुनाव को लेकर लगभग सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है तो वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा भी निवार्चन प्रक्रिया के दौरान शांति भंग करने वाले, अव्यवस्था फैलाने वाले के प्रति सख्त रूख अपनाने की राह पर कदम बढाते हुए, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारी में जुटा है। शनिवार को पुलिए लाइन में अत्याधुनिक हथियारो से बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस सम्बन्ध में बताया गया कि इस ड्रिल अभ्यास का उददेश्य हर विपरीत परिस्थितयों से निपटने के लिए कराया गया है। पुलिस प्रशासन अराजक तत्वों पर ध्यान रहेगा और पूर्ण प्रयास रहेगा कि निर्वाच प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार से अशांति न हो, कोई गडबडी न हो सके और कोई भी असामाजिक तत्व मतदान से लकर मतगणना तक अव्यवस्था व गडबडी न कर सके।

12 कमरों के ताले तोड़ लाखों का सामान उठा ले गए चोर, जांच में जुटी पुलिस

घाटमपुर। जहांगीराबाद स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद कि प्रधानाचार्या संगीता यादव ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि बीती रात चोरों ने पीछे से प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्रीवाल में लगे कटीले तार काटकर स्कूल मे पीछे के रास्ते से ताला तोड़कर घुसने कि कोशिश कि पर चोर ताला नहीं तोड़ पाए जिसके बाद चोरो ने विद्यालय के मेंन गेट का ताला तोड़कर स्कूल के अंदर दाखिल हुए। चोरो ने कम्प्यूटर कक्ष, प्रधानाध्यापक कक्ष, कार्यालय, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, अतिरिक्त कक्ष समेत 12 कमरों का ताला तोड़कर यहां पर रखा माइक्रोस्कोप, कंप्यूटर, सीपीयू, किताबें, खेल कूद का सामान समेत लाखों का सामान चोरी कर ले गए, सुबह जब वह स्कूल पहुंची तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। उन्होंने डायल 112 को फोनकर पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौक़े पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने घटना कि जांच पड़ताल की है। प्रधानाचार्या ने घाटमपुर पुलिस को चोरी की शिकायत की है। घाटमपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे ने बताया कि घटना कि जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा किया जायेगा।

दुश्मनी में गिरीं 9 लाशें, मुरैना के लेपा गांव की खूनी लड़ाई

मध्य प्रदेश के मुरैना में 6 लोगों की हत्या ने हर किसी को खौफजदा कर दिया है. बरसों से दो परिवारों के बीच जमीन को लेकर चला आ रहा विवाद शुक्रवार को खूनी हिंसा में बदल गया. लाठी-डंडों से शुरू हुआ झगड़ा, बंदूकों तक पहुंच गया. मरने वालों में एक पक्ष के 6 लोग मारे गए, जिसमें 3 महिलाएं शामिल हैं. तीन लोग घायल हुए हैं. तीन लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि तीन ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया. आठ लोगों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज करने जा रही है. इस हत्याकांड से पूरे गांव में तनाव पसर गया है. भारी तादाद में पुलिसबल की तैनाती की गई है.

यह घटना जिला मुख्यालय से 50 से 60 किलोमीटर दूर लेपा गांव में हुई और मारे गए तीनों पुरुष और तीनों महिलाएं एक ही परिवार से थे.पुलिस ने बताया कि मृतकों और आरोपियों के बीच पुरानी दुश्मनी थी. मृतकों के रिश्तेदारों पर कुछ साल पहले आरोपियों के परिवार के दो सदस्यों की हत्या करने का आरोप है.

दरअसल,सोहनिया थाना क्षेत्र के लेपा भड़ोसा गांव में गजेंद्र सिंह तोमर और धीर सिंह तोमर के परिवार के बीच लंबे अरसे से जमीन का विवाद चला आ रहा है. पहले भी इनके बीच खूनी संघर्ष हुआ था, जिसमें कुछ लोग मारे गए थे. उसी के चलते शुक्रवार फिर जमीन खून से लाल हो गई.

गजेंद्र सिंह के बेटे राकेश ने बताया है कि शुक्रवार की सुबह ही सभी लोग गांव पहुंचे थे, तभी धीर सिंह के परिवार के सदस्यों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया और फिर गोलियां चलाईं.इस गोली कांड में कुसमा ने अपने पति, बेटे और तीन बहुओं को खोया हैं. वह बताती हैं कि साल 2013 में जमीन को लेकर विवाद हुआ था. हमारे परिवार के लोगों का उस मामले से कोई लेना देना नहीं था, फिर भी नाम लिखा दिया था. समझौते पर 6 लाख रुपये भी दिए थे. शुक्रवार को सुबह गांव पहुंचे तो उन लोगों ने मारपीट की और गोली चला दी.

इस विवाद और गोली बारी के जो वीडियो सामने आए हैं, उससे पता चलता है कि पहले विवाद हुआ, डंडों से हमला किया गया और फिर एक ओर से बंदूकें थामे लोगों ने गोलियां दागनी शुरू कर दीं. इसमें छह लोगों को गोली लगी और उनमें से तीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन अन्य की रास्ते में मौत हो गई.बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर विवाद है, वह ज्यादा उपजाऊ भी नहीं है. यह 4-6 एकड़ की जमीन है, जिसका एक अधिकतर हिस्सा पथरीला है.बाकी के हिस्से पर सरसों की खेती होती है. गजेंद्र सिंह और धीर सिंह इसी पर अपना दावा ठोकते रहे.

साल 2013 में दोनों परिवार जब आमने सामने आए थे, तब धीर सिंह पक्ष के दो लोगों को गजेंद्र सिंह के पक्ष वालों ने मौत के घाट उतार दिया था. इसके बाद गजेंद्र सिंह का परिवार गांव से भाग गया था. मामला अदालत में भी लंबा चला. बाद में बिरादरी के लोगों ने उनका कोर्ट के बाहर सेटलमेंट करा दिया. तब लगा था कि मामला शांत हो जाएगा, जो कि था भी. इसके बाद गजेंद्र सिंह का परिवार लेपा गांव वापस आ गया. लेकिन उनको यह भनक नहीं थी कि वह इस गांव में आशियाना फिर खड़ा तो कर रहे थे लेकिन कहीं और बदले की आग अभी भी जल रही है.

शुक्रवार की सुबह धीर सिंह के पक्ष वालों ने गजेंद्र सिंह के पक्ष वालों पर हमला बोल दिया. खूब लाठी-डंडे चले. क्या पुरुष और क्या महिला. धीर सिंह के पक्ष वालों ने किसी को नहीं छोड़ा.

इसके बाद धीर सिंह पक्ष के अजीत और श्यामू ने गजेंद्र सिंह और उसके परिवारवालों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी. फायरिंग की आवाज सुनकर गांववाले भी कांप उठे. धीर पक्ष के जिस शख्स हाथ में बंदूक थी, वह बस गोलियां दागे जा रहा था. इस गोलीबारी में कई लोग जमीन पर गिर गए. जमीन खून से सन गई. चीख-पुकार मच गई. 10 साल की इस खूनी अदावत में अब तक 9 लोग मारे जा चुके हैं.

बसपा महापौर प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर मांगा आशीर्वाद

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी कानपुर नगर निगम चुनाव में महापौर प्रत्याशी अर्चना निषाद का जनसंपर्क कल्याणपुर विधानसभा, सीसामऊ, आर्यनगर के वार्ड 15, वार्ड 42 परमाट मो सादिक, वार्ड 109 नाजिर बाग सैयद फरहान, वार्ड 36 अजीत गंज शालिया नौशाद के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया और इन विधानसभाओं में जनसंपर्क कर मेयर प्रत्याशी ने जनता से आशीर्वाद लिया, साथ में जिलाध्यक्ष बबलू चौधरी, उपाध्यक्ष इमरान हाशमी, महासचिव राम नारायण निषाद, अनूप गौतम, अशोक पुष्कर, ई0 श्याम सागर, गुलशन गौतम, जिला कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, आदि सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

अधिनियम-2013 के अंतर्गत लाभार्थियों को फोर्टिफाइड चावल की उपलब्धता कराई

बीपीएस न्यूज

कानपुर।जिलापूर्ति अधिकारी, श्री राकेश कुमार ने बताया कि विदित है कि शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत लाभार्थियों को फोर्टिफाइड चावल की उपलब्धता कराई जा रही है। आम तौर पर चावल की मिलिंग और पॉलिशिंग के समय फैट और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर चोकर की परत हट जाती है एवं चावल की पॉलिश करने से अधिकांश विटामिन भी निकल जाते है जिस वजह से चावल के अपने पोषक तत्व खत्म हो जाते है। इसलिए चावल को फोर्टीफाई करने से उनमे सूक्ष्म पोषक तत्व न सिर्फ फिर से जुड़ जाते है बल्कि और ज्यादा मात्रा में मिल जाते है, जिससे चावल और अधिक पौष्टिक बन जाता है।''विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक फोर्टीफिकेशन का अर्थ होता है टेक्नोलॉजी के माध्यम से खाने में विटामिन और मिनरल के स्तर को बढ़ाना।'' अत: फोर्टिफाइड चावल के संबंध में जनमानस के मध्य जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने फोर्टिफाइड चावल की उपयोगिता के संबंध में बताया कि यह चावल सूक्ष्म पोषक तत्वों से परिपूर्ण होने के कारण कुपोषण से लड़ने में सहायता करता है।पोषण स्तर में सुधार लाने और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से बड़े पैमाने पर लड़ने के लिए चावल का फोर्टिफिकेशन एक सार्थक और कारगर उपाय है। फोर्टिफाइड चावल में निहित फोलिक एसिड भ्रूण निर्माण और खून बनाने में सहायक होता है और विटामिन बी12 नर्वस सिस्टम के सामान्य कामकाज में सहायक होता है। फोर्टीफाइड चावल के निममित सेवन से बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुनिश्चित होता है। फोर्टिफाइड चावल को पकाने की विधि के बारे में बताया कि अधिकतम पौष्टिक लाभ के लिए फोर्टीफाइड चावल को पर्याप्त पानी में बंद करके पकाना चाहिए और उपयोग हुए पानी को फेंकना नहीं चाहिए ।अगर चावल को बनाने से पहले पानी में भिगोया गया हो तो चावल को उसी पानी में पकाना चाहिए।फोर्टिफाइड चावल का रख-रखाव करने की विधि के बारे में बताया कि फोर्टिफाइड चावल को बंद डिब्बे में सूखे स्थान पर रखना चाहिए, सीलन वाले स्थानों पर इसका भण्डारण नहीं करना चाहिए।

चावल को फोर्टिफाइड बनाने की विधि के बारे में बताया कि चावल को फोर्टिफाइड करने के लिए सबसे पहले सामान्य चावल का पाउडर बनाया जाता है और उसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे विटामिन बी 12, फोलिक एसिड, आयरन इत्यादि स्नस्ड्ढ के मानकों के अनुसार मिलाये जाते है।चावलं के पाउडर और विटामिन/मिनरल के मिश्रण को मशीनों द्वारा गूंथा जाता है और एक्सट्रूडर नामक मशीन से चावल के दानों या स्नक्रञ्ज को निकाला जाता है। उसे स्नक्रञ्ज के एक दाने को सामान्य चावल के 100 दानों के अनुपात में मिलाया जाता है जिसे फोर्टीफाइड चावल कहते है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, पुलिस शिनाख्त में जुटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर।नर्वल कोतवाली थाना इलाके के स्थित रेलवे ट्रैक पर बृहस्पतिवार को एक ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी बृहस्पतिवार को उस समय हुई जब ग्रामीणों ने ट्रैक पर शव को देखा। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची नर्वल पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।बृहस्पति की सुबह नर्वल रेलवे लाइन के पास ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच के उपरांत युवक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता हाथ नही लगी।पुलिस के अनुसार मृतक युवक की उम्र करीब 24 वर्ष के आसपास है। पुलिस का मानना है कि यह कोई यात्री होगा जो किसी ट्रेन से यात्रा के दौरान नीचे गिरने से घायल हो गया होगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मृतक के कपड़ों की तलाशी लेने पर भी उसके पास से कुछ नहीं मिल सका। अज्ञात शव की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।फिलहाल पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। नर्वल इंस्पेक्टर चन्द्रकान्त मिश्रा से जब मीडिया कर्मियों ने बात की तो उन्होंने बताया की ग्राम प्रधान सोशल मीडिया एव अन्य माध्यमों से शव की शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है अभी बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

प्रशासन की आंख में धूल झोंक कर चल रहे अनगिनत चुनाव कार्यालय

बीपीएस न्यूज

कानपुर। निकाय चुनाव में पार्टियों के प्रत्याशियों सहित निर्दलीय भी जोर कसे हुए है। शहर का राजनैतिक क्षेत्र में विशेष महत्व है। भाजपा, सपा और कांग्रेस समेत अन्य दल अपने कैंडीडेट को जिताने के लिए गुणा-गणित में लगे हुए हैं।चुनाव आयोग के निर्देशानुसार महपौर के लिए सभी प्रत्याशियों को एक कार्यालय संचालन का आदेश है। धही, पूर्व महापौर के शहर में कितने कार्यालय है वो खुद उनको भी नहीं पता है। वैसे तो घोषित तौर पर सिंधी कालोनी में एक भव्य कार्यालय बना रखा है। फिर भी उनके हर बैटों ने जगह-जगह कार्यालय स्थापित कर रखे है जहाँ प्रचार सामग्री सहित हर व्यवस्था मौजूद रहती है। प्रशासन व चुनाव आयोग की नजर उन अघोषित कार्यालयों पर लगता है चुनाव बाद पड़ेगी। क्यों न हो सरकार है भाई? अधिकारी सरकार के है।चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी के बेटे का तीन जून की हिंसा के आरोपियों के साथ मुस्लिम इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे है। भाजपा सरकार में अपने को भगवा चोला ओड़ कर पाक बनने की फिराक में प्रचार कर निर्दोष साबित करने मे लगे है।दोबारा दावेदारी ठोंकने वाली बीजेपी प्रत्याशी मुस्लिम इलाके में चुनाव प्रचार के लिए निकली थीं। इस दौरान इनका बेटा व यूपी बार काउंसिल का मेंबर अनुराग पांडेय कानपुर हिंसा के आरोपियों के साथ चुनाव प्रचार करते नजर आया। एक-दो नहीं कई अपराधी भाजपा का चुनाव प्रचार कराते मुस्लिम इलाके में नजर आए। जेल से छूटने के बाद अब ये अपराधी खुद को खड़ा करने के लिए बीजेपी की नेतागीरी में जुट गए हैं।

हेल्थ एवं हाइजीन केंद्रीत पॉडकास्ट बनेगा स्वस्थ इण्डिया

बीपीएस न्यूज

कानपुर।वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे के मौके पर, दुनिया की अग्रणी कंज्यूमर हेल्थ एवं हाइजीन कंपनी रेकिट ने अपने प्रमुख कैम्पेन 'डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया' के तहत भारत का पहला पब्लिक हेल्थ एवं हाइजीन केंद्रित पॉडकास्ट 'बनेगा स्वस्थ इंडिया - स्वास्थ्य मंत्र ' लॉन्च किया है। पॉडकास्ट का प्रमुख उद्देश्य युवा दर्शकों को इस अभियान में शामिल करना और सेहत से जुड़ी अच्छी आदतों को विकसित करने के महत्व के संदेश को आम लोगों तक फैलाना है।यह पॉडकास्ट दर्शकों के लिए स्पॉटिफाई, एप्पल पॉडकास्ट, गूगल पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है। डेटॉल बीएसआई स्कूल हाइजीन करिकुलम के विस्तार के तहत, इस उत्सव के दौरान बच्चों के लिए अंग्रेजी और हिंदी भाषा में 3-वॉल्यूम की हाइजीन वर्कबुक का भी अनावरण किया गया। गौरव जैन, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, रेकिट - साउथ एशिया ने कहा, स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए सामाजिक सोच और व्यवहार में स्थायी रूप से बदलाव लाना बेहद जरूरी है। रेकिट में, हम विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर ग्राहकों के साथ जुड़ना सुनिश्चित करने और उन्हें सेहत से जुड़ी अच्छी आदतों को बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए एक बेहद खास और आकर्षक टूल पेश कर रहे हैं।बच्चे बीमारी के दिनों में भी पर्सनल हाइजीन के साथ घर, स्कूल, पड़ोस और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से वॉल्यूम में एक आकर्षक और सूचनात्मक वर्कबुक तैयार की गई है।

चैन से सोइए और मजे से खाइए, बाकी सब मोदी-योगी पर छोड़िए:स्वतंत्र देव

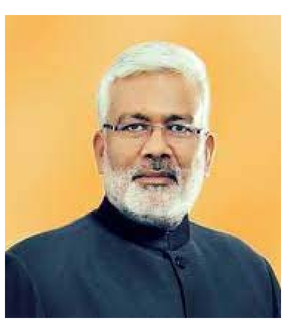

कानपुर। नगर निकाय चुनाव में महापौर व पार्षद प्रत्याशियों को प्रत्येक बूथ पर जीत दिलाने के लिए कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सुबह से लेकर शाम तक सभाएं और जनसंपर्क किया। उन्होंने लोगों से कहा कि चैन से सोइए और मजे से खाइए बाकी सब मोदी और योगी पर छोड़ दीजिए। सुबह उन्होंने शास्त्रीनगर स्थित सिंधी कॉलोनी में कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार बनाने में मदद कीजिए।

इसके बाद वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र संघचालक वीरेंद्रजीत सिंह के आवास सिविल लाइंस पहुंचे। यहां पर उन्होंने नीतू सिंह से मुलाकात कर कहा कि यह मत सोचिए एक बार मौका नहीं मिला तो आगे भी नहीं मिलेगा। हो सकता है इससे भी बड़ी जिम्मेदारी मिल जाए।

इसी तरह उन्होंने हरजेंदर नगर स्थित खत्री धर्मशाला में बूथ प्रबंधन कार्यशाला में मंडल अध्यक्षों, महामंत्रियों, वार्ड अध्यक्षों ,शक्तिकेंद्र संयोजक ,बूथ अध्यक्षों को संबोधित किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, रणवेन्द्र प्रताप सिंह धुन्नी, शैलेंद्र त्रिपाठी, विनय मिश्रा , संजय बाजपेई, बीडी राय, राकेश तिवारी, सुरेंद्र प्रताप सिंह चौहान, राजीव मिश्रा, श्रीकांत मिश्रा, पवन दीक्षित, रमेश कुशवाहा मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री ने रोड़ शो कर अन्य दलों के 37 कार्यकर्ताओं को कराया शामिल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का आगमन क्लब 15 आवास विकास कल्याणपुर में हुआ।डिप्टी सीएम ने पहले शास्त्री नगर काली मठिया मां के दर्शन किए। रोड शो करते हुए, शास्त्री नगर विजय नगर डबल पुलिया जयप्रकाश नगर बस्ती रोड रावतपुर बाजार होते हुए रामलला मंदिर में जाकर मंदिर में पूजन अर्चन एवं दर्शन किया।

केशव ने कहा कि, आने वाली 13 मई- सपा कांग्रेस बसपा गई। प्रमिला पांडे जी को महापौर के लिए एवं सभी भाजपा के वार्ड प्रत्याशियों को जीता कर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई है शहर के विकास की पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की है हम सब लोग शहर को आधुनिक कानपुर बनाने के लिए अपना पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने आमजन को नारा दिया कि सब कुछ जाओ भूल याद रखो सिर्फ नरेंद्र मोदी-योगी और कमल का फूल, सम्मेलन के मंच से घोषणा करते हुए, अन्य दलों के, सपा बसपा और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के साथ उनके 37 कार्यकर्ताओं को शामिल कराया है।जिनमें प्रमुख रूप से, बसपा पूर्व जिला सचिव गोविंद नगर विधानसभा अध्यक्ष लोकसभा प्रभारी फूलचंद सरोज, बसपा वार्ड अध्यक्ष जितेंद्र, बसपा सेक्टर अध्यक्ष विशाल, बसपा महासचिव विजय शर्मा, बसपा सेक्टर प्रभारी राहुल सोनी

विधायक सुरेंद्र मैथानी जी ने कहां कि भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर कार्यकर्ता बनने पर उन्हें बधाई और परिवार विस्तार पर कार्यकर्ताओं से आह्वान किया के परिवार का सदस्य मानकर सब ने साथ में काम करना है और शामिल हुए सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि नगर निगम चुनाव में पूरी ताकत के साथ वार्ड के सभी भाजपा प्रत्याशी एवं महापौर प्रत्याशी प्रमिला पांडे जी को जिताने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं उठ कार्यक्रम में प्रमुख रूप से माननीय केशव मौर्या जी विधायक सुरेंद्र मैथानी जी, राजू शर्मा महामंत्री जी एवं राघवेंद्र दुबे, मंजू कुशवाहा, शुभा शुक्ला, नीरज कुरील, अभिनव दिक्षित दीपक सिंह, मनीष अग्रवाल, अरविंद सिंह, सुमित सरोज, अमन सोनकर, विपुल जैन, राजा पंडित, देवनाथ मिश्रा आदि लोग थे।

वोटरों को लुभाने में अपना अस्तित्व ही दांव पर

कानपुर। सपा महापौर प्रत्याशी वंदना व उनके पति विधायक अमिताभ बाजपेई समाजवादी का चोला छोड़ हर वो हथकंड़ा अपनाने में लगे है।जिससे वोट पाया जा सके। विरोधियों के हर वार का जवाब देने के चक्कर में अपना अस्तित्व ही त्याग दिया।शहर की जनता सब समझ रही है कि पिछले दिनों हिंसाग्रस्त क्षेत्र में विधायक ने कैसा अपने वोट बैंक के चक्कर में हिंसा को ही जायज ठहरा दिया था।ताजा स्थिति है कि समाजवादी रंग से तौबा कर भगवा व पीला दुपट्टा लेकर चुनाव प्रचार में जुटे हैं। सपा प्रत्याशी की इसके पीछे गणित मानी जा रही है कि सपा को मुस्लिम, यादव और अन्य पिछड़ा वर्ग का वोट तो मिलना ही है, लेकिन सवर्णों का वोट व हिन्दूवादी विचारधारा का वोट पाने के लिए वंदना और अमिताभ बाजपेई गले में पीला व भगवा दुपट्टा डालकर अपना चुनाव प्रचार करें।

हाईकोर्ट के आदेश को इंडियन बैंक मैनेजर ने फाड़ा, जबरन कब्जा करने पहुंचे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आवास विकास हंसपुरम स्कीम सं0-2 क्षेत्र- 246 वर्गमी0 भवन में मार्केट संचालित करने के लिए इलाहाबाद बैंक जो कि अब इण्डिया बैंक में समायोजित हो गई है।वर्ष 2017 में 75,00,000/- का ऋण लिया था। 2020 में कोरोना काल के कारण किश्त नही जमा होने पर इण्डियन बैंक ने 13 सरफेशी एक्ट के तहत सीएमएम की कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया। दोनों पक्षों की सुनवाई चली और 18 मार्च, 2023 को मा0 न्यायालय ने इण्डियन बैंक के पक्ष मे भवन कब्जा का आदेश पारित कर दिया।जिसके खिलाफ पीडित ने डीआरटी कोर्ट इलाहाबाद में याचिका दाखिल करी जिसमें इण्डियन बैंक को पक्षकार बनाया गया।

लेकिन इण्डियन बैंक जानबूझकर डीआरटी कोर्ट इलाहाबाद नहीं पहुंचा।

जबकि बैंक को पूरा संज्ञान था। डीआरटी कोर्ट ने प्रार्थी की याचिका पर 29 मार्च को यह आदेश पारित करा कि इण्डियन बैंक डी0आर0टी0 कोर्ट इलाहाबाद में हाजिर हो जवाब दाखिल करे जिसकी तिथि 31मई, 2023 निर्धारित की गयी।जिसकी जानकारी इण्डियन बैंक के चीफ मैनेजर प्रशानत श्रीवास्तव रिजीनल आफिस व लॉ अफसर शुभम भार्गव को दी गयी। बावजूद इसके वह उक्त भवन पर कब्जा करने गए। जब विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई, जिस पर पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करनो की मांग की है।

गौरतलब है कि डी0आर0टी0 कोर्ट इलाहाबाद ने पीडित की याचिका पर 29 मार्च,2023 को यह आदेश पारित करा कि इण्डियन बैंक डीआरटी कोर्ट इलाहाबाद में हाजिर हो जवाब दाखिल करे। बैंक के चीफ मैनेजर प्रशानत श्रीवास्तव, रिजीनल आफिस व लॉ अफसर शुभम भार्गव डीआरटी कोर्ट इलाहाबाद के आदेश की पूरी जानकारी होते हुये भी दिनांक 12 अप्रैल, 2023 को समय करीब 10:30 बजे दिन में पीडित के भवन सं0- ए-363, आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता अपने दल बल से पहुँचे जिसमें ऋण भवन नीलामी केता अंजली सिंह, शुभम राजपूत, सुशील राजपूत व अन्य 50 लोग भवन में पहुँचे।इस पर जब डीआरटी कोर्ट इलाहाबाद का आदेश मैनेजर प्रशान्त श्रीवास्तव व लॉ अफसर शुभम भार्गव को दिखाया। उन लोगो ने आदेश को फाड़ के फेंक दिया और कहा कि हम कब्जा लेकर रहेंगें और अपने साथियों से कहा कि पूरी मार्केट में कब्जा कर लो मैनेजर प्रशान्त श्रीवास्तव व शुभम भार्गव के कहते ही अजीत सचान, शुभम राजपूत सुशील राजपूत व अन्य 50 लोगों ने उक्त मार्केट मे संचालित प्रवीण फुट वियर का शोरूम रेस्टोरेन्ट कास्मेटि की दुकान और आफिस का ताला तोड़कर लगभग 35,00,000/-रू0 का सामान लूट लिया और प्रार्थी को भद्दी-भद्दी गाली देते हुए मारपीट करने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीडित ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की है।

टेक्नोकॉन- 2023 का हुआ शुभारम्भ, 800 से ज्यादा लोगो ने किया प्रतिभाग

• टेक्निक्ल्स सेशन पर एचओडी सुमनलता वर्मा ने दिया व्याखान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जीएसवीएमए मेडिकल कालेज के सभागर में उ0प्र0 का पहला टेक्नाकॉन – 2023 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कालेज प्राचार्य एवं डीन प्रो0 डा0 संजय काला, कानपुर मण्डलायुक्त डा0 राजशेखर व पैथालॉजी विभागध्यक्ष डा0 सुमनलता वर्मा व इस्कान मन्दिर के अध्यक्ष प्रेम हरिनाम दास ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदो जिनमें कन्नौज, बांदा, बलिया, आजमगढ़, सैफई, इटावा और कानपुर नगर से रामा अस्तपाल समेत करीब 800 से ज्यादा लोगो ने पंजीकरण करवा आयोजन में प्रतिभाग किया। यूपी टेक्नाकॉन के बारे में जानकारी देते हुए पैथालॉजी विभागध्यक्ष डा0 सुमनलता वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की परमिशन उत्तर प्रदेश राज्य फैक्ल्टी द्वारा दी गई जिसके अर्न्तगत इस आयोजन को सफल बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान 6 सेशन कराए जिसमें ब्लड की जांच, लिवर किडनी की जांच, वेस्ट मैनेजमेंट तथा खुद से बैक्टेरिया से कैसे बचाव करना है तथा कैंसर की एफएनसी जांच के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब नई टेक्नालाजी आ जाने से जांचो को आटोमैटिक मशीनो के द्वारा जल्द करा मरीजो को उपलब्ध करायी जा रही है। इसी क्रम में मण्डलायुक्त डा0 राजशेखर ने कहा कि टेक्निशियन बहुत जिम्मेदारी का काम करते है। लैब टेक्निशियन से डाक्टरो और मरीजो को काफी फायदा पहुंचता है और करोना काल में भी लैब टेक्निशियनो ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसकी जितनी सराहना की जाए कम है। उन्होंने कहा पहले जिन जांचो में सालो का समय लगता था उसे अब महीनो में लाकर खडा कर दिया गया है ताकि मरीज के इलाज में किसी प्रकार की कोई भी देरी न हो। वहीं कालेज प्राचार्य प्रो0 डा0 संजय काला ने पैथालाजी और उनके टेक्निशियनो के कार्यो की सराहना करते हुए कहा किसी भी बीमारी को पकडने के लिए पैथालाजी विभाग और उनके टेक्निशियनो की एक महत्पवूर्ण भूमिका रहती है जिससे मर्ज को आसानी से पकड कर उसका इलाज बिना किसी देरी के शुरू कर दिया जाता है। इसी क्रम में इस्कान मन्दिर के अध्यक्ष प्रेम हरिनाम दास ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला और उपचार की अत्याधुनिक विधि की सराहना की, कि कोई भी गरीब इलाज के अभाव में उसे भटकना न पडे जिसके लिए उन्होंने विभागध्यक्ष डा0 सुमनलता वर्मा की प्रशंसा की। इस दौरान मंच का संचालन डा0 चयनिका काला व संचालन डा0 सुमनलता वर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसआईसी डा0 आर.के. सिंह, डा0 लुबना खान विभागध्यक्ष ट्रांसफ्यूजन मेडिसन विभाग, डा0 मनीष यादव नोडल प्रभारी ब्लड बैंक, चर्म रोग विभागध्यक्ष डा0 डी.पी.शिवहरे समेत तमाम फैक्ल्टी सदस्य मौजूद रहे।

नगर आयुक्त कोरोना संक्रमित, सक्रिय मरीजों की संख्या 20 हुई

कानपुर । कानपुर में नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन कोरोना संक्रमित हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम ने उनका ब्योरा लिया। इसके साथ ही कृष्णानगर के अजय कुमार (32) को कोरोना की पुष्टि हुई है। संक्रमित की हालत स्थिर है। वे होम आइसोलेशन में हैं।

गर्मी में मूंग/उर्द फसल के प्रबंधन पर किसान दें विशेष ध्यान : डॉ मनोज कटियार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के दलहन वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार ने प्रेस नोट जारी कर कहा है। कि ग्रीष्मकालीन मूंग का क्षेत्रफल उत्तर प्रदेश में लगभग 42000 हेक्टेयर क्षेत्रफल है। जबकि कानपुर मंडल में ग्रीष्मकालीन मूंग का क्षेत्रफल लगभग 10829 हेक्टेयर क्षेत्रफल है।उन्होंने कहा की ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई किसान भाई कर चुके हैं अब ग्रीष्मकालीन मूंग का प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। ग्रीष्मकालीन मूंग में सबसे महत्वपूर्ण जल प्रबंधन एवं सिंचाई व्यवस्था होती है। डॉक्टर कटियार ने कहा कि किसान भाई मूंग की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20 दिन पर ही करे। अथवा तापमान के बढ़ने पर जरूरत के अनुसार सिंचाई किसान भाई पहले भी कर सकते हैं।प्रथम सिंचाई के बाद आवश्यकता अनुसार 10 से 12 दिनों के अंतराल पर किसान भाई सिंचाई अवश्य मूंग की फसल में करते रहे। गर्मी की मूंग की फसल में कुल सिंचाई तीन से चार की आवश्यकता होती है। हमेशा किसान भाई यह बात याद रखें कि शाम के समय जब हवा न चल रही हो तब सिंचाई करना चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि मूंग की फसल में कीट नियंत्रण के लिए किसान डाईमेथॉट 1000 मिली लीटर प्रति 600 लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल प्रति 600 लीटर पानी में 125 मिलीलीटर के हिसाब से छिड़काव करें । उन्होंने बताया कि गर्मी की मूंग 60 से 65 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है फसल कटाई या फलियों की तूड़ाई के 5 दिन पहले सिंचाई देना अवश्य बंद कर दें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मूंग की कटाई की अपेक्षा फलियों की तुड़ाई करना ज्यादा हितकारी होगा क्योंकि फली तोड़ने के बाद फसल को खेत में ही रोटावेटर की सहायता से पलटने पर हरी खाद का काम करेगी तथा मृदा की उपजाऊ शक्ति में बढ़ोतरी होगी।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी, मौत, पुलिस कर रही जांच

घाटमपुर। फरीदपुर गांव निवासी 27 वर्षीय संदीप पुत्र स्वर्गीय राधेश्याम गांव में ही सैलून की दुकान चलाता था। बीती देर रात संदीप देर से घर लौटा तो पत्नी सरोज से काहासुनी के बाद विवाद हो गया। जिससे नाराज होकर संदीप ने कमरे के अंदर छत मे लगे पंखे के सहारे रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सुबह जब संदीप काफ़ी देर तक कमरे के बाहर नहीं आया तो पत्नी ने जाकर देखा तो संदीप का शव पंखे मे फांसी के सहारे लटक रहा था।परिजनों ने घटना कि सूचना पुलिस को दी। मौक़े पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने घटना कि जानकारी जुटाने के साथ युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गंगा टास्क फोर्स ने चलाया गंगा को साफ रखने के लिए जन जागरूक अभियान

कानपुर। भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ (टी ए) बटालियन 39 गोरखा राइफल ने उन्नाव स्थित ग्राम कटरी पीपर खेड़ा में गंगा स्वच्छता के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पीपर खेड़ा के ग्राम प्रधान अनिल निषाद, ग्राम पंचायत सदस्य कन्हैया लाल, ग्राम पंचायत सदस्य राजकुमार और रामसजीवन वकील उपस्थित रहे।इस समय गंगा टास्क फोर्स के सुबेदार हीरूगडे वी.आर, नायब सूबेदार दल बहादुर बसनेत और अन्य जवान मौजुद थे। कटरी पीपर खेड़ा के समस्त ग्राम वासियों को ग्राम पंचायत भवन में एकत्रित करके सुबेदार हीरूगेड वि .आर ने गंगा स्वच्छता व पर्यावरण को संतुलित बनाएं रखने के बारे में संबोधित किया। और सभी को गंगा संकल्प दिया गया। गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेदवर्त वैध और कानपुर स्थित कम्पनी के कम्पनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनुप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत चार सालों से गंगा टास्क फोर्स पौधारोपण,गंगा स्वच्छता अभियान और गंगा तटीय घाटों पर गश्त आदि कार्य निरंतर कर रही है। इस समय कटरी पीपर खेड़ा के सैकड़ों लोगों उपस्थित रहे।

ईसाई धर्म छोड़कर हिंदू बने लोग क्यों मनाते हैं धूमधाम से गणेशोत्सव

पांच दिन मछली पकड़ना भी कर देते हैं बंद

काकरा। गोवा में मछुआरों के गांव काकरा गांव में इन दिनों गणेशोत्सव की धूम मची हुई है। इस गांव में ईसाई धर्म के कैथोलिक पंथ और हिंदू रीति-रिवाज का मानो विलय हो गया है। विशेषज्ञ इसे %नव हिंदुत्व% नाम दे रहे हैं। वैसे भी हिंदू धर्म उदार है और इसमें सभी पंथों व मतों के मानने वालों के प्रति सम्मान व आदर पर जोर दिया जाता है।

काकरा गांव के निवासी संजय परेरा के वहां वे लेडी ऑफ वेलंकन्नी की प्रतिमा के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा की पूजा करते नजर आए। ऐसा करने वाले वे अकेले नहीं थे, मछुआरों के इस गांव में कैथोलिक विरासत और हिंदू रीति-रिवाज का अद्भुत मिश्रित रूप नजर आया। परेरा ने कहा कि हमारे लिए भगवान गणेश और लेडी ऑफ वेलंकन्नी की पूजा-प्रार्थना में कोई अंतर नहीं है। लेडी ऑफ वेलंकन्नी कैथोलिकों द्वारा पूजी जाने वाली वर्जिन मैरी का ही एक रूप है।

लगभग 50 साल पहले गोवा पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त हुआ था। इसके एक दशक बाद पणजी के पास स्थित मछुआरों के इस गांव के लोगों ने ईसाई धर्म त्याग कर फिर हिंदू धर्म अपनाया लिया है। धीरे-धीरे इस गांव के लोगों ने अपने कैथोलिक उपनामों को हिंदू नामों में बदलना चालू कर दिया। हालांकि वे दोनों धर्मों की परंपराओं का पालन और सम्मान समान रूप से करते हैं। परेरा ने कहा कि गणेशोत्सव के दौरान हम पांच दिनों तक समुद्र से मछलियां नहीं पकड़ते। हमारे गांव के लगभग हर घर में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा की जाती है।

गणेश की प्रतिमाएं घर-घर में विराजित

संजय परेरा की तरह ही गणेश परेरा भी गणेश पूजा करते दिखे। उन्होंने अपना सरनेम परेरा से बदलकर फातरपेकर कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार ने 1971 में गणेश उत्सव मनाना शुरू किया था। 51 साल के फातरपेकर ने याद करते हुए कहा कि हम हिंदू धर्म में लौट आ थे। इसके बाद मेरे पिता ऑगस्टीन परेरा गणेश चतुर्थी के दौरान भगवान गणेश की प्रतिमा घर पर लाए थे। जिस साल से उनके पिता ने गणेश उत्सव मनाना शुरू किया, उसी वर्ष की याद में फातरपेकर का नाम गणेश रखा गया। इसके बाद तो गांव में ज्ञान और बुद्धि के दाता भगवान गणेश की प्रतिमाएं घर-घर में विराजित की जाने लगीं।

450 की आबादी वाला काकरा गांव आजीविका की दृष्टि से मछली पकड़ने पर ही निर्भर है। गांव के लोगों ने 2010 में सतेरी रावलनाथ को समर्पित एक मंदिर का निर्माण किया। यहां दीवार पर होली क्रॉस भी बना है। इसी मंदिर में पूजा के बाद अपनी डोंगी के साथ गांव के लोग समुद्र में मछली पकड़ने निकलते हैं।काकरा के एक अन्य निवासी 60 साल के दत्ता पालकर ने बताया कि कैसे उन्होंने जेरोम जोस मार्टिन्स से अपना नाम बदलकर दत्ता पालकर रखा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने अपना नाम और उपनाम बदल लिया है। गोवा के शोधकर्ता सुनील पालकर ने बताया कि हिंदू संत विनायक महाराज ने 1961 में गोवा के पुर्तगालियों से मुक्त होने के बाद काकरा, नौक्सिम, चिंबेल, सांताक्रूज और तलेइगाओ जैसे गांवों के कई आदिवासियों को हिंदू धर्म में परिवर्तित कराया था। पालकर ने कहा कि हिंदू धर्म को फिर से अपनाने के बाद, लोगों ने पुराने रीति-रिवाजों का पालन करना शुरू कर दिया।

गोवा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामराव वाघ ने कहा कि 1960 और 70 के दशक के अंत में कई लोगों को नियो हिंदू (नव हिंदू) कहा जाता था। उन्होंने कहा कि परेरा, मार्टिन, रोसारियो, डीसूजा, डीमेलो, कैबरल और एंड्रेड जैसे सरनेम काकरा, नौक्सिम, बम्बोलिम, तलेइगाओ, सेंट क्रूज़ और अन्य क्षेत्रों के गांवों में आम हैं।

दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इन रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठाया जा सका है। वैज्ञानिकों ने इन रहस्यों को सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें अभी तक कोई सफलता नहीं मिला पाई है। इन रहस्यों के बारे में जानकर लोगों को यकीन नहीं होता है।

यहां पर सांस लेने से ही हो जाती है किसी की मौत

नई दिल्ली। दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इन रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठाया जा सका है। वैज्ञानिकों ने इन रहस्यों को सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें अभी तक कोई सफलता नहीं मिला पाई है। इन रहस्यों के बारे में जानकर लोगों को यकीन नहीं होता है। दुनिया के ये जगहें अपनी खूबसूरती और इतिहास की वजह से पूरी दुनिया में जानी जाती है। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यह जगह पूरी तरह अब वीरान हो गई है और इस शहर को पूरी तरह खाली करा दिया गया है। प्रशासन ने 31 अगस्त को इस खतरनाक जगह को खाली करा दिया गया। उसका कहना है कि इंसानों के लिए यह स्थान सुरक्षित नहीं है। अब यहां से लोगों को हमेशा के लिए हटा दिया गया है।

यह रहस्यमयी और खतरनाक जगह

ऑस्ट्रेलिया में मौजूद है जिसका नाम विट्टेनुम है। इस जगह को माइनिंग टाउन कहा जाता है। हालांकि इसको ऑस्ट्रेलिया का चेर्नोबिल कहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस जगह की हवा बेहद जहलीरी हो चुकी है। इसकी वजह से लोगों के लिए यहां सांस लेना मुश्किल है।

जानकारों का कहना था कि यहां पर सांस लेने से किसी की जान भी जा सकती थी जिसकी वजह से इस शहर से सभी को बाहर निकाल दिया गया। बताया जा रहा है कि इस शहर को अब मैप से भी हटाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के विट्टेनुम क्लोजर एक्ट के तहत इस शहर को लोगों को खाली करने की चेतावनी दी गई थी।

प्रशासन ने लोगों से कहा था कि लोग शहर को खुद खाली कर दें, नहीं तो उनको जबरदस्ती शहर से हटाया जाएगा। इस शहर में साल 1943 से लोग आकर रहने लगए हैं। माइनिंग एरिया के कारण यहां पर जहरीली गैसें निकलती थी। जहरीली गैसों की वजह से धीरे-धीरे कई लोगों की मौत होने लगी। साल 1966 में लॉस और स्वास्थ परेशानियों की वजह से विट्टेनुम माइन को बंद करा दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों की मौत होने की वजह से इस शहर को खाली करा दिया गया। बताया जाता है कि यह पर रहने वाला करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई है। एक स्टडी के अनुसार, इस माइन में करने वाले हर कर्मचारी की जान चुकी है। अब बीते 31 अगस्त को इस शहर को पूरी तरह बंद करा दिया गया।

मुसलमान लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूल शुरू करने वाली रुकैया सखावत के बारे में जानें

भारत में शिक्षा हर किसी का मौलिक अधिकार है। शिक्षा आयु, जात-पात, धर्म, लिंग या अमीरी-गरीबी से परे है। लेकिन उसके बाद भी शिक्षा हर किसी को मिलना मुश्किल होता है। आजादी से पहले भले ही कुछ भारतीय विदेश तक पढ़ने गए लेकिन रूढ़िवादिता, कट्टरपंथी विचारधारा के लोग उस दौर में महिलाओं के लिए शिक्षा को फिजूल मानते थे। खासकर मुस्लिम महिलाओं को शिक्षा का अधिकार नहीं था। लेकिन उस दौर में उन्हीं में से एक महिला ने मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा का सपना देखा और इसे पूरा करने के लिए प्रयास करना शुरू कर दिया। आज हर जाति-धर्म से ताल्लुक रखने वाली बेटी शिक्षा का अधिकार रखती है लेकिन मुस्लिम महिलाओं के लिए शिक्षा का मार्ग खोलने में रुकैया सखावत हुसैन का विशेष योगदान रहा। चलिए जानते हैं रुकैया सखावत हुसैन के बारे में।

कौन थीं रुकैया सखावत हुसैन

रुकैया सखावत नारीवादी विचारक, कथाकार, उपन्यासकार और कवि थीं। उन्होंने बंगाल में मुसलमान लड़कियों की पढ़ाई के लिए मुहिम चलाई थी। इसके अलावा मुसलमान महिलाओं का संगठन गठित किया था। लड़कियों के लिए स्कूल खोले और अपने प्रयासों से मुस्लिम लड़कियों की जिंदगी में बदलाव लाया। महज मुस्लिम महिलाएं ही नहीं, रुकैया सखावत ने नारी जाति के सम्मान और हक के लिए काम किया।

रुकैया सखावत हुसैन का जीवन परिचय

नारीवादी विचारक रुकैया सखावत का जन्म गुलाम भारत में सन 1880 में हुआ था। विभाजन से पहले रंगपुर जिले के पैराबंद इलाके में रुकैया हुसैन का जन्म हुआ, जो वर्तमान में बांग्लादेश का इलाका है। जमींदार खानदान से ताल्लुक रखने वाली रुकैया के परिवार के लड़के यानी रुकैया के भाई स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई करते थे। लेकिन परिवार की लड़कियों को तालीम लेने का अधिकार नहीं था। हालांकि रुकैया पढ़ना चाहती थीं। उनके बड़े भाई रुकैया को चुपके चुपके पढ़ाया करते थे। जब रात में घर के सब लोग सो जाते तो बड़े भाई बहन को पढ़ाया करते।

रुकैया सखावत की शादी

बाद में रुकैया की शादी बिहार के भागलपुर के रहने वाले एक बड़ी उम्र के शख्स से हुई, जिनका नाम सखावत हुसैन था। उनके पति काफी पढ़े लिखे और पेशे से अफसर थे। इसलिए उन्होंने रुकैया को अपने विचार प्रकट करने, सोचने समझने का मौका दिया। हालांकि 1909 में पति की मौत के बाद रुकैया अकेली हो गईं।

रुकैया सखावत ऐसे बनी लेखक

पति सखावत के होते हुए रुकैया को बंगला साहित्य में नाम कमाने का मौका मिल गया था। वह एक लेखक के तौर अपनी रचनाओं के जरिए महिलाएं की बदतर स्थिति पर लिखने लगी थीं। रुकैया का महज 22-23 साल की उम्र में एक लेख प्रकाशित हुआ, %स्त्री जातिर अबोनति%, जिस पर बहुत हंगामा हुआ। इस लेख में महिलाओं की गिरी हुई स्थिति के बारे में लिखा गया था। इसके बाद अंग्रेजी में उनका लघु उपन्यास, %सुल्तानाज ड्रीम्स% (सुल्ताना के ख्वाब) प्रकाशित हुई। ये उपन्यास मद्रास की एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी पत्रिका %इंडियन लेडीज मैगजीन% में 1905 में छपा था।

लड़कियों के लिए रुकैया ने खोले स्कूल

महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए उन्होंने लड़कियों की शिक्षा का सपना देखा था। 1910 में रुकैया सखावत ने भागलपुर में लड़कियों स्कूल खोला और 1911 में कोलकाता में स्कूल की शुरुआत की। बंगाल में मुसलमान लड़कियों की शिक्षा के लिए ये दोनों स्कूल वरदान साबित हुए। रुकैया द्वारा स्थापित सखावत मेमोरियल गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल आज भी कोलकाता में चलता है। हालांकि उस दौर में इस स्कूल को चलाने के लिए रुकैया को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। 52 साल की उम्र में 9 दिसंबर 1932 को कोलकाता में रुकैया सखावत का निधन हो गया।

काशी के इस कुंड में स्नान से ही प्राप्त होती है संतान

उमड़ी दंपतियों की भीड़, कई किलोमीटर लगी कतार

वाराणसी। संतान प्राप्ति की कामना में शुक्रवार को निसंतान दंपत्तियों की काशी में भीड़ उमड़ी हुई है। लोलार्क कुंड में आज लोलार्क षष्ठी के मौके पर इन दंपत्तियों ने जोड़ा स्नान किया। देश के तमाम हिस्सों से जुटे लाखों लोगों की भीड़ 24 घंटे पहले से ही स्नान के लिए पहुंच गई थी। इसके कारण कई किलोमीटर तक कतार दिखाई दी। मध्य रात्रि के ठीक बाद जैसे ही स्नान आरंभ हुआ समूचा लोलार्क कुंड परीक्षेत्र हरहर महादेव के घोष से गूंज उठा। भदैनी स्थित लोलार्क कुंड में स्नान के लिए तीन तरफ से कतारें लगी थीं। एक कतार लंका से अस्सी होते हुए भदैनी पहुंच रही थीं तो दूसरी रविंद्रपुरी से शिवाला होते हैं वहीं तीसरी कथा सोनारपुरा होते हुए बोर में गोदौलिया तक पहुंच गई थी। स्पीड में बहुत से ऐसे लोग भी थे जो भगवान सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने आए थे। कोरोना के कारण विगत दो वर्षों में स्नान बाधित रहने के कारण इस वर्ष कहीं अधिक भीड़ रही।

लोलार्क षष्ठी की पूर्व संध्या पर गुरुवार देर रात तक लोलार्क स्नानार्थियों की कतार मदनपुरा तक लग गई थी। मध्यरात्रि से कुंड में स्नान शुरू होगा जो शुक्रवार की मध्यरात्रि तक चलेगा।

क्या है मान्यता

मान्यता है कि यहां स्नान और लोलार्केश्वर महादेव के दर्शन मात्र से निसंतान दंपतियों को संतान प्राप्ति होती है। जानकार बताते हैं कि इस दिन सूर्य की रोशनी में एक अलग प्रकार का कंपन होता है। इसे लोलन कहते हैं। और यही लोलार्क कुंड या लोलार्केश्वर महादेव की महिमा है। पं. शिवप्रसाद पांडेय बताते हैं कि सदियों पहले यहां एक बड़ा उल्कापिंड गिरा था, जिससे इस कुंड का निर्माण हुआ। कालांतर में महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कुंड का सुंदरीकरण कराया।

गड़वाल ताम्रपत्रों में उल्लेख

बीएचयू के पुरातत्वविद डॉ. अशोक कुमार सिंह के अनुसार यहां स्थित मंदिर का उल्लेख गड़वाल ताम्रपत्रों में है। बावड़ी का मुंह दोहरा है, एक में पानी इकट्ठा होकर दो कुओं में जाता है। कुण्ड के एक ताखे पर भगवान सूर्य का प्रतीक चक्र बना है।

सोलर सिस्टम से खेतों में हरियाली

पंजाब में दो किसान भाइयों ने बनाया सोलर सिस्टम, 4 लाख रुपये हुए खर्च

इंटरनेट मीडिया पर देखकर बनवाया यह सिस्टम,गांवों के लोग भी अचंभित

श्री मुक्तसर साहिब। बिजली कटौती से परेशान बहुत से किसान अब अपने खेतों में भी सोलर सिस्टम लगवाने लगे हैं। हालांकि, सोलर सिस्टम चोरी होने से भी किसान परेशान हैं। ऐसे में गांव धूलकोट के युवा किसान भाइयों हरजिंदर सिंह और कुलदीप सिंह ने इस समस्या से निपटने के लिए नया तरीका निकाला है। उन्होंने अपने खेत का ट्यूबवेल चलाने के लिए ट्राली पर सोलर सिस्टम लगवाया है। खेत सींचने के लिए सोलर सिस्टम को ट्रैक्टर से खेत लाया जाता है। काम होने के बाद इसे घर ले जाया जाता है।ट्यूबवेल की साढ़े सात हार्स पावर की मोटर चलाने के लिए बनवाए इस सोलर सिस्टम पर करीब चार लाख रुपये खर्च हुए हैं। अब वे इससे न केवल अपने खेतों को, बल्कि आसपास के दर्जनों अन्य किसानों के खेतों को भी सिंचित कर रहे हैं। हालांकि, वे जब चाहें इससे अपने घर में भी उजाला फैला सकते हैं। फिलहाल वे खेतों की सिंचाई ही कर रहे हैं। दोनों भाई बताते हैं कि उनके गांव के ही लखवीर सिंह नामक किसान ने तो ऐसा सिस्टम बनवाना शुरू कर दिया है। खोलने और बंद करने को दो नट ही ढीले करने या कसने पड़ते हैं ट्राली पर इसे इस तरह तैयार किया गया है कि केवल दो नट ही ढीले और कसने पड़ते हैं।जरूरत पड़ने पर घर भी इस सिस्टम का उपयोग किया जा सकता है। यह सोलर पैनल पुस्तक की तरह खुलता और बंद हो जाता है। इसमें छह कब्जे लगे हैं। इसको खोलने पर इसका आकार 27 फीट हो जाता है। इकट्ठा करने पर यह करीब सात फीट ही रह जाता है। इसका डिजाइन किसानों और गांव काउनी की संत एग्रो व?र्क्स के संचालक गुरदर्शन सिंह ने तैयार किया है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर इसे ट्राली पर लगा देखा। उसके बाद उसमें अपने हिसाब से संशोधन करके डिजाइन तैयार किया। इसके बेस में बेयरिंग भी लगाया गया है, जिससे सोलर पैनल चारों ओर घूम जाते हैं। सोलर पैनल को चारों दिशाओं में किसी भी तरफ घुमाया जा सकता है। ट्रैक्टर से ट्राली को इधर-उधर करने की जरूरत नहीं पड़ती।हरजिंदर व कुलदीप सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में सोलर सिस्टम लगाने का मन बनाया था। क्षेत्र के खेतों में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर, ट्यूबवेल की मोटरें व सोलर पैनल चोरी हो रहे हैं। इससे उन्हें खेत में सोलर सिस्टम लगाने से भय लग रहा था। उन्होंने एक दिन इंटरनेट मीडिया पर ट्रैक्टर की ट्राली पर लगाया हुआ सोलर सिस्टम देखा। उसे देखकर उन्होंने भी ट्राली पर सोलर सिस्टम लगाने का मन बना लिया। इसके बाद पास के ही गांव काउनी स्थित वर्कशाप से इसे तैयार करवा लिया।करीब डेढ़ लाख रुपये ट्राली पर लगे हैं, जबकि करीब ढाई लाख रुपये सोलर सिस्टम तैयार करवाने पर लगे है। इसमें 325 वाट के 24 सोलर पैनल लगवाए हैं। इनसे खेत में साढ़े सात हार्स पावर की मोटर चल सकती है।

2000 साल पुराने मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाने से हो जाती है मन्नत पूरी

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में चिंतामन सिद्ध गणेश का दो हजार साल पुरानी प्रतिमा है। जो कि देश की चार स्वयंभू प्रतिमाओं में शामिल है। चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर में सालभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है लेकिन गणेशोत्सव के दौरान यहां की रौनक देखते ही बनती है। गणेशोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में पूरे 10 दिनों के लिए मेले का आयोजन भी किया जाता है। दूर-दूर से लोग चिंतामन गणेश के दर्शन करने पहुंचते हैं।

उल्टा स्वास्तिक बनाने से पूरी होती है मन्नत

देशभर में भगवान गणेश की चार स्वयंभू प्रतिमाएं हैं। पहली राजस्थान के रणथंभौर सवाई माधोपुर में, दूसरी उज्जैन, तीसरी गुजरात में सिद्धपुर और चौथी सीहोर में। श्रद्धालुओं का मानना है कि मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाने से मन चाही मुराद पूरी होती है। इसलिए मंदिर की दीवार में लोग उल्टा स्वास्तिक बनाते हैं और मन्नत पूरी होने के बाद सीधा स्वास्तिक बनाते हैं।

राजा विक्रमादित्य ने कराई थी प्रतिमा की स्थापना

चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है सम्राट विक्रमादित्य भगवान गणेश के उपासक थे, वे अक्सर राजस्थान में भगवान गणेश के दर्शन करने जाते थे। एक बार उन्होंने भगवान गणेश से उनके महल में स्थापित होने को कहा। भगवान गणेश ने प्रसन्न होकर उनके साथ कमल पुष्प के रूप में चलने के लिए तैयार हो गए। गणेश जी ने राजा के सामने शर्त रखी कि जहां कमल का फूल खिल जाएगा वे वहीं स्थापित हो जाएंगे। राजस्थान से वापस आते समय अचानक सीहोर के पास आकर एक स्थान पर रख का पहिया जमीन में धंस गया। काफी कोशिशों को बाद भी रथ का पहिया निकल नहीं सका और सुबह होते ही कमल का फूल खिल कर गणेश जी की प्रतिमा के रूप में बदल गया। राजा ने प्रतिमा को निकालने की कोशिश की लेकिन वह जमीन में धंसती जा रही थी। बाद में भगवान की इच्छा समझकर राजा विक्रमादित्य ने सीहोर में ही मंदिर बनवाकर प्रतिमा स्थापित करा दी। भगवान गणेश की प्रतिमा आज भी आधी जमीन में धंसी हुई है।

गणेशोत्सव पर लगता है मेला

चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी से 10 दिनों तक मेले का आयोजन किया जाता है। इस दौरान दूर-दूर से भक्त भगवान गणेश के दर्शन और आशीर्वाद लेने आते हैं। भगवान का रोज अलग-अलग श्रृंगार किया जाता है।

गंभीर के साथ विवाद के बाद विराट कोहली ने दी सफाई, लिखा- हम जो सुनते हैं वह सच नहीं होता

लखनऊ । आईपीएल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मैच में विराट कोहली काफी आक्रामक अंदाज में नजर आए। मैच के दौरान कई खिलाड़ियों से उनकी बहस हुई। बहस की शुरुआत नवीन उल हक के साथ हुई। इसके बाद वह अमित मिश्रा और गौतम गंभीर से भी भिड़े। अंत में लोकेश राहुल के साथ लंबी बातचीत के बाद मामला शांत हुआ।

इस मैच के बाद विराट कोहली ने इंस्टाग्राम में एक स्टोरी लगाई है, जिसे उनकी सफाई के रूप में देखा जा रहा है। इस स्टोरी में लिखा है हम जो भी सुनते हैं, वह तथ्य नहीं एक राय होती है। हम जो भी देखते हैं, वह सच नहीं एक नजरिया होता है। विराट ने इसके साथ ही नीचे मार्कस ऑरेलियस का नाम भी लिखा है, जिससे पता चलता है कि यह वाक्य पूर्व रोमन सम्राट मार्कस ऑरेलियस का है। इसके अलावा विराट कोहली ने अपनी डीपी भी बदल दी है। नई डीपी में वह पत्नी अनुष्का के साथ दिख रहे हैं।

मैच में क्या हुआ?–यह पूरा मामला लखनऊ की पारी के 17वें ओवर में शुरू हुआ था, जब विराट स्टंप के पीछे से दौड़ते हुए आए और नवीन को देखकर कुछ इशारा किया। इस पर अफगानिस्तान के नवीन भी उनके करीब आ गए और दोनों में बहस शुरू हो गई। इस बहस के दौरान विराट ने अपने जूते की तरफ भी इशारा किया और उसमें से मिट्टी निकाली, मानो औकात की बात कर रहे हों। बाकी खिलाड़ियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो कोहली और अमित मिश्रा के बीच भी बहस हो गई। बैंगलोर की जीत के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिला रहे थे तो कोहली ने नवीन से कुछ कहा। कोहली के बोलते ही नवीन भी ताव में आकर कुछ बोलते हैं। यहां भी दोनों के बीच बहस होती है। इसके बाद कोहली जब बाउंड्री के किनारे चल रहे होते हैं तो लखनऊ के काइल मेयर्स से उनसे बातचीत करने लगते हैं। तभी गंभीर आते हैं और मेयर्स को विराट से दूर ले जाते हैं और उनसे बातचीत करने से मना करते हैं। इसके बाद गंभीर कुछ कहते हैं जिस पर कोहली उन्हें पास बुलाते हैं और दोनों बेहद करीब आ जाते हैं। दोनों के बीच बहस देखने को मिलती है। अंत में कोहली और लोकेश राहुल के बीच लंबी बातचीत होती है।

गले मिलकर भी खत्म नहीं हुई थी खटास, आखिर कैसे आई कोहली-गंभीर के बीच हाथापाई तक की नौबत

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच तीखी नोकझोंक हुई। जुबानी जंग इस कदर बढ़ गई कि दोनों के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई। विवाद को बढ़ता देख लखनऊ और आरसीबी के खिलाड़ियों को बीच-बचाव करना पड़ा। 10 अप्रैल को लखनऊ और बैंगलोर के बीच हुई सीजन की पहली भिड़ंत के बाद कोहली और गंभीर गले मिलते हुए नजर आए थे और हर किसी को लगा था कि दोनों के बीच सबकुछ सही हो चुका है।

दरअसल, मैच में विराट कोहली ने दो बेहतरीन कैच लपके और उसके बाद वह जमकर जश्न मनाते हुए नजर आए। कोहली ने मुंह पर उंगली रखते हुए लखनऊ के दर्शकों की ओर इशारा किया। हालांकि, जश्न में किया गया यह एक्शन गौतम गंभीर के लिए था।गौरतलब है कि आरसीबी और लखनऊ के बीच इस सीजन हुई पहली भिड़ंत में लखनऊ ने मैच की आखिरी गेंद पर बाजी मारी थी। जीत के बाद लखनऊ के मेंटोर गौतम गंभीर ने चिन्नास्वामी में मुंह पर उंगली रखकर फैन्स को चुप कराने की कोशिश की थी। कोहली ने भी गंभीर की हूबहू नकल उतारी।

नवीन से भिड़े कोहली

लखनऊ की पारी के 17वें ओवर में विराट कोहली और नवीन उल हक के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। दरअसल, कोहली नवीन से कुछ कहते हुए नजर आए, जिसके बाद लखनऊ के गेंदबाज का भी पारा चढ़ गया। विवाद इस कदर बढ़ा कि अमित मिश्रा को बीच-बचाव करना पड़ा।

कोहली-गंभीर के बीच हुआ क्या?

दरअसल, आईपीएल 2023 के 43वें मुकाबले में आरसीबी टीम को 18 रन से जीत मिली। लेकिन, इस मैच के बाद विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच एक तीखी बहस छिड़ गई। बता दें कि मैच खत्म होने के बाद सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे थे। इस दौरान विराट कोहली जैसे ही लखनऊ सुपर जायटंस के खिलाड़ी काइल मेयर्स से हाथ मिलाया और उनसे बात की तो लखनऊ के मेंटोर गौतम गंभीर मेयर्स को पीछे खींचते हुए नजर आए। ऐसे में ये कयास लगाया जा रहा है कि गौतम गंभीर के इस व्यवहार पर विराट कोहली काफी भड़क गए और कप्तान फाफ डुप्लेसी से कुछ कहने लगे।

विराट कोहली से पहले शाहिद अफरीदी से ले चुके पंगा, नवीन उल हक का विवादों संग रहा है पुराना नाता

लखनऊ और आरसीबी के बीच खेले गए मुकाबले में विराट कोहली की सिर्फ गौतम गंभीर ही नहीं, बल्कि नवीन उल हक से भी जमकर बहस हुई। विराट और नवीन के बीच हुई जुबानी जंग ने ही लखनऊ के इकाना स्टेडियम का माहौल बदला। हालांकि, कोहली से भिड़ने वाले नवीन का विवादों से पुराना नाता रहा है। नवीन इससे पहले शाहिद अफरीदी से भी लंका प्रीमियर लीग में भिड़ चुके हैं।

लखनऊ की पारी के 17वें ओवर में विराट कोहली और नवीन उल हक के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। दरअसल, कोहली नवीन से कुछ कहते हुए नजर आए, जिसके बाद लखनऊ के गेंदबाज का भी पारा चढ़ गया। विवाद इस कदर बढ़ा कि अमित मिश्रा को बीच-बचाव करना पड़ा। मैच के बाद जब कोहली और नवीन ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया तो भी दोनों के बीच जमकर बहस हुई और मैक्सवेल को दोनों प्लेयर्स को अलग करना पड़ा।नवीन उल हक इससे पहले लंका प्रीमियर लीग में खेलते हुए पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी शाहिद अफरीदी से भी भिड़ चुके हैं। अफरीदी और नवीन के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी और विवाद को बढ़ता देख प्लेयर्स को बीच-बचाव करना पड़ा था। वहीं, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज स्थगित करने के बाद भी नवीन ने ट्वीट करते हुए जमकर भड़ास निकाली थी।

GT vs DC Playing 11

हार से बंद हो जाएंगे दिल्ली के लिए प्लेऑफ के रास्ते

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के 44वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस के साथ होगी। गुजरात की टीम इस समय शानदार फॉर्म में है और टीम जीत की हैट्रिक लगा चुकी है। वहीं, प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए दिल्ली को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

बेहतरीन फॉर्म में गुजरात

हार्दिक पांड्या की अगुवाई में गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन आईपीएल 2023 में बेमिसाल रहा है। टीम ने इस सीजन अब तक खेले 8 मैचों में से 6 में जीत का स्वाद चखा है, तो सिर्फ दो ही मैचों में टीम को हार झेलनी पड़ी है। आखिरी मुकाबले में टीम ने केकेआर को 7 विकेट से पीटा था। बल्लेबाजी में शुभमन गिल का बल्ला जमकर बोल रहा है। वहीं, कप्तान हार्दिक पांड्या और विजय शंकर भी अहम समय पर योगदान देने में सफल रहे हैं। बतौर फिनिशर डेविड मिलर और राहुल तेवतिया टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं। नई गेंद के साथ मोहम्मद शमी बेहद कारगर रहे हैं, तो हार्दिक की गेंदबाजी में भी वो धार नजर आई है। स्पिन विभाग में राशिद और नूर अहमद ने मिलकर बल्लेबाजों को खासा तंग किया है।दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में गुजरात को हराना होगा। डेविड वॉर्नर की अगुवाई में दिल्ली इस समय प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर मौजूद है। आखिरी मैच में टीम को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, लास्ट मैच में मिचेल मार्श ने बल्ले और गेंद दोनों से बढ़िया प्रदर्शन किया था। वहीं, फिल सॉल्ट भी बेहतरीन लय में नजर आए थे।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित प्लेइंग 11= डेविड वॉर्नर, फिल सॉल्ट, मिचेल मार्श, मनीष पांडे, सरफराज खान, अक्षर पटेल, रिपल पटेल, कुलदीप यादव, एनरिक नॉर्किया, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार।

जिला बॉक्सिंग में नरवाना के लड़के व कालवन की लड़कियां अव्वल

नरवाना। जींद जिले के लड़के और लड़कियों की सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुक्रवार को नवदीप स्टेडियम में हरियाणा बॉक्सिंग संघ के आबजर्वर गुलशन पांचाल की देखरेख में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जिला जींद के 100 से अधिक लड़के व लड़कियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। टीम स्तर पर लड़कों में नरवाना की टीम ने प्रथम तथा इंडस ग्लोबल एकेडमी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि लड़कियों में गांव कालवन की टीम प्रथम रही। व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धाओं में लड़कों में 33-35 किलोग्राम भार वर्ग में साहिल ने प्रथम, वंश ने द्वितीय व त्रिदेव ने तृतीय, 35-37 कि.भार वर्ग में अभिनव ने प्रथम, राहुल ने द्वितीय व रोबिन ने तृतीय, 37-40 कि. भार वर्ग में सुमित ने प्रथम, अनुज ने द्वितीय व अदोतय ने तृतीय, 40-43 कि. भार वर्ग में विनय ने प्रथम, आर्यन ने द्वितीय व जसविंदर ने तृतीय, 43-46 कि. भार वर्ग में यश ने प्रथम, सन्नी ने द्वितीय व लक्ष्य ने तृतीय, 46-49 कि. भार वर्ग में नवनीत ने प्रथम, रशमीत ने द्वितीय व रीतिक ने तृतीय, 49-52 कि. भार वर्ग में आशीष ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय व अरमान ने तृतीय, 52-55 कि. भार वर्ग में यशविंदर ने प्रथम, साहिल ने द्वितीय व मोंटी ने तृतीय, 55-58 कि. भार वर्ग में परमजीत ने प्रथम, महेश ने द्वितीय व निकेत ने तृतीय स्थान पर रहे।

आईपीएल में पहली बार देखने को मिलेगी भाइयों के बीच जंग

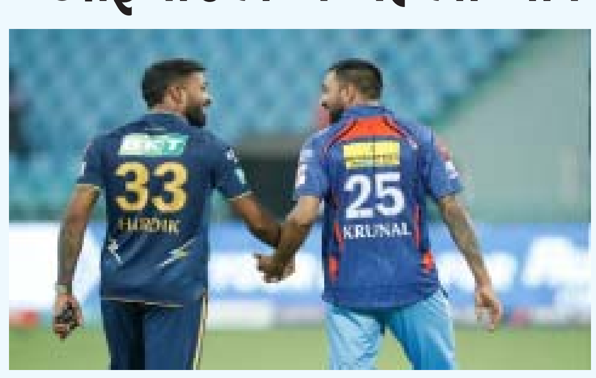

दरअसल मौजूदा चैंपियन और अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटंस का मुकाबला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को यहां जब लखनऊ सुपरजाइंट्स से होगा तो इस मैच में पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल के कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। हार्दिक ने जहां कई अवसरों पर भारतीय टीम की अगुवाई की है और पिछले साल से गुजरात टाइटंस के कप्तान है वहीं क्रुणाल घरेलू क्रिकेट में बड़ौदा टीम की कप्तानी करते रहे हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के नियमित कप्तान केएल राहुल के चोटिल होने के कारण उन्हें लखनऊ सुपरजाइंट्स की कप्तानी सौंपी गई है।

दो भाई होंगे आमने सामने

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में ये पहला मौका है जब आईपीएल की दो टीमों की अगुवाई दो सगे भाईयों द्वारा की जाएगी और दोनों टीमें आमने सामने भिड़ेंगी। इससे पहले कभी किसी आईपीएल मुकाबले में ऐसा नहीं हुआ है को दो भाई बतौर कप्तान आपस में भिड़े हो। बता दें कि हार्दिक की अगुवाई में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन किया है और अभी उनकी टीम 14 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। हार्दिक की कप्तानी में ही पिछला आईपीएल टाइटल भी टीम ने जीता था। क्रुणाल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जिस पहले मैच में लखनऊ की कप्तानी की वह बारिश से धुल गया था। उनकी जिम्मेदारी टीम का मनोबल बढ़ाने की भी होगी जिसे अपने नियमित कप्तान के अलावा तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की भी कमी खलेगी।

लखनऊ अभी 11 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसे चेन्नई के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। राहुल इसी मैच में चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गए। तेज गेंदबाज उनादकट भी कंधे की चोट के कारण आईपीएल में आगे नहीं खेल पाएंगे जिससे लखनऊ की समस्या बढ़ी है।

बल्लेबाज बने लखनऊ की परेशानी

पिछले दोनों मैचों में बल्लेबाजों ने लखनऊ को निराश किया तथा वह 130 रन के पार नहीं पहुंच पाया। उसका प्रदर्शन अभी तक उतार-चढ़ाव वाला रहा है। किसी मैच में उसके खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन किसी मैच में वह पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुए। लखनऊ सुपरजाइंट्स के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है लेकिन उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। उसने राहुल की जगह अनुभवी करुण नायर को अपनी टीम से जोड़ा है, जो तिहरा शतक जड़ चुके है। तेज गेंदबाज मार्क वुड की अनुपस्थिति में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने विकेट लिए हैं।

पुराने किले के आसपास इन जगहों के बारे में कितना जानते हैं आप

फरीदाबाद में पुराना किला घूमने के लिए सबसे बेस्ट जगह में से एक है। लेकिन इसके आसपास भी घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। जिनके बारे में शायद ही आपको पता होगा। आप संडे को इन जगहों पर अपने परिवार या दोस्तों के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं हरियाणा का औद्योगिक केंद्र फरीदाबाद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फरीदाबाद में एक ऐसी जगह भी मौजूद है जो अपने 500 साल पुराने एतिहासिक किले के लिए भी फेमस है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए उस पुराने के किले के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आज भी दिल्ली एनसीआर की शान को अपने आप में समेटे खड़ा है। आज तक शायद आपने पुराने किले को ही सबसे ज्यादा देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके आसपास कुछ ऐसी जगहें भी हैं जो देखने लायक हैं। आप अगली बार घूमने जाने के दौरान इन जगहों पर भी घूम सकते हैं।

राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क

अगर आप भी पुराने किले के आसपास घूमने का प्लान बना रहे हैं तो राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर आता है। साल 1959 में इस उद्यान को लोगों के लिए खोला गया था। बता दें कि इस चिड़ियाघर में पक्षियों और जानवरों की 130 प्रजातियां मौजूद हैं। जिनमें से जिराफ, ज़ेबरा, चिम्पांजी और मोर जैसे प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। यहां पर संरक्षण कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। इन कार्यक्रमों को चिड़ियाघर द्वारा चलाया जाता है। पुराने किले में घूमने के बाद आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क घूमने आ सकते हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र-सेंटर भैरों रोड पर राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र स्थित है। यह साल 1992 में स्थापित किया गया था। यहां पर जाने के लिए संडे का दिन सबसे बढ़िया होता है। बता दें कि यह एक एजुकेशनल प्लेस है। अगर आपको भी विज्ञान में रुचि है तो आपके लिए यह जगह सबसे बेस्ट है। यहां पर आपको विभिन्न प्रदर्शनी हॉल भी स्थित है। छात्रों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए म्यूजियम को स्थापित किया गया है।

लाल किला-जैसा कि आप सभी जानते ही होंगे कि भारतीय इतिहास में लाल किले का अपना एक अलग इतिहास रहा है। साल 1639 में मुगल शासक शाहजहां ने इस किले का निर्माण करवाया था। आजादी के बाद पहली बार लाल किले से ही झंडा फहराया गया था। जिसके बाद से हर साल प्रधानमंत्री द्वारा यहां पर झंडा फहराया जाता है। लाल बलुआ पत्थर से निर्मित लाल किला अंदर और बाहर दोनों तरफ से बेहद खूबसूरत बना हुआ है। यहां पर भी आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं।

लोधी गार्डन -दिल्ली के फेमस सिटी पार्क की लिस्ट में लोधी गार्डन का नाम शामिल है। 90 एकड़ में स्थित यह पार्क खान मार्केट और सफदरजंग के मकबरे के बीच स्थित है। इस परिसर में कई मकबरे बने हुए हैं। वहीं दिल्ली में रहने वाले लोग यहां पर मॉर्निंग वॉक के लिए भी आते हैं। आप भी बिना किसी संदेह के लोधी गार्डन विजिट कर सकते हैं।

इंडिया गेट -अखिल भारतीय युद्ध स्मारक के रूप में इंडिया गेट का निर्माण किया गया था। यह इंडिया गेट करीब 70 हजार सैनिकों की याद में बनवाया गया था। इस स्मारक को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग यहां पर सुबह-शाम पहुंचते हैं। इस गेट की संरचना के अलावा अमर जवान ज्योति इस जगह का मुख्य आकर्षण है। साल 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की याद में इस गेट को बनवाया गया था। इंडिया गेट में आपको देश की राजधानी दिल्ली के गौरवशाली विरासत की झलक देखने को मिलेगी। यहां पर आप भी शाम के समय घूमने के लिए आ सकते हैं।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

त्सोमगो झील की सैर-अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार-जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप-गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है।

कभी होगी तेज बारिश तो कभी सताएगी तेज गर्मी, कुछ ऐसा अजब-गजब होने...

इस साल अभी तक गर्मी का वैसा असर नजर नहीं आया है, जैसा कि इन दिनों होता है. मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक में प्री-मॉनसून बारिश हो रही है. जिसके चलते सभी जगह तापमान में कमी आई हुई है. कई हिस्सों में तो अधिकतम तापमान सामान्य से 7-10 डिग्री नीचे दर्ज किया जा रहा है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है. मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में 4 मई तक बारिश और गरज के साथ बौछारें का दौर जारी रहेगा. इस दौरान पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है. इसके साथ ही दिल्ली एनसीआर में भी बारिश के आसार हैं.प्राइवेट मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक 5 मई को बारिश रुक सकती है और मौसम में गर्मी बढ़ेगी. हालांकि एक बार फिर 6 मई के आसपास फिर से बारिश शुरू होगी और 7 मई तक जारी रहेगी. इसके बाद 8 मई से कुछेक इलाकों को छोड़कर बारिश बंद हो जाएगी और मौसम साफ हो जाएगा. साथ ही दिन और रात के तापमान में भी वृद्धि देखने को मिलेगी.

एजेंसी के अनुसार मंगलवार को केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में मध्यम स्तर की बारिश हुई है. तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिम और मध्य उत्तर प्रदेश, दमन और आंतरिक कर्नाटक में भी हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हुई है. के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हुई. मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश हुई. पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात, आंतरिक आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की बारिश हुई.

अगले अगले 24 घंटों की बात की जाए तो पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से भारी बारिश हो सकती है. पश्चिमी हिमालय के ऊपरी इलाकों और सिक्किम- अरुणाचल प्रदेश के इलाकों में बर्फबारी भी संभव है. पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण ओडिशा के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और अंडमान और कुमार द्वीप समूह में हल्की बारिश हो सकती है. पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र और बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है. पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों किसी मध्यम बारिश के साथ एक या दो भारी बारिश हो सकती है.

कर्ज के बदले 11 साल की बेटी, 40 साल के दबंग ने जबरिया रचाई नाबालिग से शादी

बिहार में दबंगई का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है. सीवान से एक शर्मसार कर देने वाली घटना ने सभी को हैरान कर दिया हैं. सूत्रों ने बताया कि कर्ज न चुकाने पर एक दबंग ने 11 साल की बच्ची से जबरिया शादी कर ली. बच्ची की मां ने कर्ज लिया था. न चुकाने पर दबंग ने इस घिनौनी हरकत को अंजाम दिया. घटना के बारे में पूछे जाने पर पुलिस और प्रशासन ने भी चुप्पी साध ली.

यह घटना सिवान के मैरवा क्षेत्र की बताई जा रही है. मैरवा की रहने वाली महिला ने लक्ष्मीपुर गांव के रहने वाले महेंद्र पांडे से 2 लाख रुपये कर्ज लिए थे. महेंद्र पांडे की उम्र 40 वर्ष बताई जा रही है. महेंद्र ने जब महिला से कर्ज दिए पैसे वापस मांगे तो लौटा नहीं पाई. जिसके बाद आरोपी ने उसकी 11 साल की बेटी से शादी कर ली. बेटी अभी महेंद्र पांडे के घर में रह रही है.

नाबालिग की मां ने बताया कि लक्ष्मीपुर गांव में उसकी रिश्तेदारी है. रिश्तेदारी में वह बेटी के साथ आया-जाया करती थी. मां ने बताया कि गांव के महेंद्र पांडे ने उससे कहा कि वह उसकी बेटी को पढ़ाएगा. पढ़ाने के नाम पर उसने बेटी को अपने पास रख लिया और उससे शादी कर ली. वह चाहती है कि उसकी बेटी किसी तरह महेंद्र पांडे के चंगुल से छूट जाए.

वहीं आरोपी महेंद्र पांडे की बात करें तो वो गोलमोल बातें कर रहा है. वो यह कहता फिर रहा है कि उससे गलती हुई और वह इसकी सजा भुगतने के लिए तैयार है. वह यह भी कह रहा है कि उसने नाबालिग को बेटी समझकर अपने पास रखा, वह स्वतंत्र है कहीं भी जा सकती है.

पीड़ित नाबालि ने से जब पूछा गया तो उसने बताया कि मां ने महेंद्र पांडे से कर्ज लिया था. कर्ज में कितनी रकम ली थी ये नहीं पता. पांडे ने कर्ज लौटाने को कहा तो, मां लड़की को उसके घर पर छोड़ गई.

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, आतंक फैलाने वाली 14 पाकिस्तानी ऐप को किया बैन

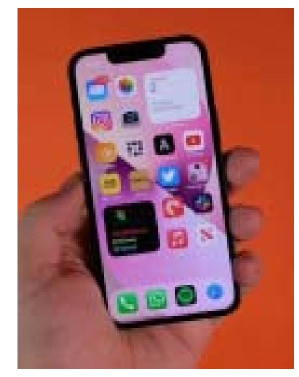

केंद्र सरकार ने पाकिस्तान की कई ऐप्स के विरुद्ध बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने आईबी के द्वारा मिले इनपुट के बाद पाकिस्तान से संचालित होने वाली 14 मैसेजिंग ऐप्स को बैन कर लिया है। इन ऐप्स का उपयोग जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने के लिए किया जाता था। इसे लेकर खुफिया एजेंसियों ने आईबी को जानकारी दी थी ।सूत्रों के अनुसार इन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कश्मीर में आतंकवाद को फैलाने के लिए किया जाता था। इन ऐप्स का उपयोग आतंकवादी अपने समर्थकों और अंडरग्राउंड वर्कर्स के साथ संवाद करने के लिए करते थे। इसका मुख्य उद्देश्य आंतकवाद फैलाना ही था, जिस कारण सरकार ने इन ऐप्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है ।बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब भारत सरकार ने देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा बड़ा फैसला किया है। देश की सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाले ऐप्स के खिलाफ पहले ही केंद्र सरकार कार्रवाई कर चुकी है। इससे पहले सरकार ने कई बार चीनी मोबाइल ऐप्स को बैन किया है। बीते कई वर्षों के दौरान भारत सरकार ने देश की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से चीन की लगभग 250 ऐप्स के खिलाफ ऐसी ही सख्त कार्रवाई करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाया था।

जानकारी के मुताबिक केंद्र सरकार ने इनपुट मिलने के बाद कुल 14 ऐप्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्र ने जिन ऐप्स पर बैन लगाया है उनमें क्रीपवाइजर, एनिग्मा, सेफस्विस, विकरमे, मीडियाफायर, ब्रियर, बीचैट, नंदबॉक्स, कॉनियन, आईएमओ, एलिमेंट, सेकेंड लाइन, जांगी और थ्रेमा शामिल हैं।

बीमारी से रखनी है दूरी तो हाथ धोना है जरूरी

कानपुर। कोरोना संक्रमण के बाद काफी हद तक हाथ की स्वच्छता बनाये रखना हमारे व्यवहार में आया है। सही तरह से हाथ धुलने से हम दस्त, टाइफाइड, पेट संबंधी रोग, आँख में होने वाले संक्रमण, त्वचा संबंधी रोग आदि से बच सकते हैं। हाथों की स्वच्छता हर समय ही आवश्यक है, परंतु किसी भी संक्रमण के द्रष्टिगत हाथों को साबुन से धोना उसकी रोकथाम का एक महत्वपूर्ण तरीका है। आज विश्व हैंड हाइजीन डे यानि विश्व हाथों की स्वच्छता दिवस पर सभी को हाथों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम भी एक्सेलेरेट एक्शन टुगेदर-सेव लाइव्स, क्लीन यौर हैंड- एक साथ कार्रवाई में तेजी लाएं - जीवन को बचाएं, अपने हाथों को साफ रखे रखी गयी है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलोजी इन्फॉर्मेशन (आईसीबीआई) के अनुसार हाथों की स्वच्छता से 31 प्रतिशत गैस की बीमारी और 21 फीसद साँसो से संबन्धित बीमारियों से बचा जा सकता है। वही सेंटर फॉर डिसीज़ एंड प्रेवेंशन के अनुसार साबुन और पानी से हाथ धुलना डायरिया से जुड़ी बीमारियों को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक रंजन ने बताया बिमारियों के संकट से बचने में सबसे प्रमुख रोल हाथों की स्वच्छता का है ।कोरोना से बचने के लिए सामाजिक दूरी के बाद हाथों की स्वच्छता ही अहम उपाय है। इसलिए हाथों की स्वच्छता, निरंतर हाथों की स्वच्छता, और उचित तरीके से हाथों की स्वच्छता से हम संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकाल का पालन कर सकते है। उन्होने विश्व हाथों की स्वच्छता दिवस पर सभी जनपद वासियों से अपील की वह हाथों की स्वच्छता को नियमित रूप से अपनाए, जिससे कि हम कोरोना वायरस से अपने आप को बचा पाये। एसएनसीयू इंचार्ज और वरिष्ठ बाल रोग विषेशज्ञ डॉ शिव कुमार कुशवाहा का कहना है कि जब आप दिन भर सतहों और वस्तुओं को छूते हैं तो आपके हाथों पर कीटाणु जमा हो जाते हैं।

GF बनाने में माहिर है बमबाज गुड्डू मुस्लिम! बीवी के अलावा कई लड़कियों से था अफेयर

यूपी के प्रयागराज में हुए उमेश पाल मर्डर केस का आरोपी बमबाज गुड्डू मुस्लिम सिर्फ बम बनाने में ही माहिर नहीं है, बल्कि वो एक रंगीन मिजाज शख्स भी है. उसकी तथाकथिक पत्नी चांदनी उर्फ चांद बीबी के अलावा भी उसका दूसरी लड़कियों से संबंध था. बताया जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम की गर्लफ्रेंड की फेहरिस्त में लंबी है. दो लड़कियों का नाम सामने भी आ गया है. फिलहाल एसआईटी की टीम इनके करीबियों पर नजर बनाए हुए है. हालांकि, अतीक अहमद का बमबाज गुर्गा गुड्डू मुस्लिम यूपी एसटीएफ के लिए अभी भी पहेली बना हुआ है.बता दें कि उमेश पाल मर्डर केस के बाद से ही फरार चल रहे गुड्डू मुस्लिम की लोकेशन को लेकर कई बार खबरें आईं कि वो लगातार लोकेशन बदल रहा है. अब खबर आई है की गुड्डू मुस्लिम दुबई भागने की फिराक है. गुड्डू का बड़ा भाई मोहम्मद असलम दुबई में रहता है. ऐसे में माना जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम दुबई भाग सकता है. फिलहाल वो वाराणसी, सुल्तानपुर, मुजफ्फरनगर, दिल्ली और हरियाणा में कहीं हो सकता है.जांच में ये भी सामने आया है कि उमेश पाल हत्याकांड से पहले गुड्डू मुस्लिम की लखनऊ के एक बिल्डर से लगातार बातचीत हो रही थी. एसटीएफ को गुड्डू की कॉल डिटेल से ये जानकारी मिली है. बिल्डर का कनेक्शन उमेश पाल हत्याकांड में तो नहीं है इसकी भी जांच की जा रही है.इस बीच ये भी खुलासा हुआ है कि उमेश पाल की हत्या के लिए गुड्डू मुस्लिम ने अपने तस्कर गिरोह के संपर्कों के जरिए असलहे मंगाए थे. अवतार सिंह और दिल्ली से अरेस्ट किए गए खालिद ,जीशान और जावेद ने इसका खुलासा किया. खालिद और जीशान ने ही असद और गुलाम को दिल्ली में पनाह दी थी. अवतार सिंह से गुड्डू मुस्लिम के कहने पर खालिद और जीशान ने 10 असलहे मंगाए थे. इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल उमेश पाल हत्याकांड में हुआ था.गौरतलब है कि उमेश पाल हत्याकांड में शूटर्स की तलाश तेज कर दी गई है. शहरभर में होटल, सरांय और धर्माशालाओं की चेकिंग की जा रही है. देर रात प्रयागराज में अचानक ये चेकिंग शुरू हुई. फरार चल रहे शूटर्स और अन्य आरोपियों की तलाश में ये चेकिंग की जा रही है. गुड्डू मुस्लिम से लेकर शाइस्ता तक उमेश पाल की हत्या के बाद से फरार हैं.

बागेश्वर सरकार पर लग गया गंभीर आरोप, दर्ज हुआ मुकदमा, जानें पूरा माजरा

बीपीएस न्यूज

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की विवादों से दोस्ती सी हो गई है. अब उनके खिलाफ बिहार में एक अधिवक्ता ने मुकदमा दर्ज कराया है. अधिवक्ता का आरोप है कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने खुद की तुलना भगवान से की है. अधिवक्ता ने बिहार के मुजफ्फरपुर में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा के खिलाफ एसीजेएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है.

बाबा पर आरोप लगाया गया कि वे खुद की भगवान से तुलना करते हैं. उनके भगवान से तुलना करने पर हिन्दू धर्मावलंबी एवं सनातनी आहत हैं. मुजफ्फरपुर के एसीजेएम कोर्ट में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ अधिवक्ता सूरज कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया है.

दर्ज मुकदमे में आरोप लगाया कि राजस्थान में बाबा ने अपनी ईश्वर से तुलना की और खुद को भगवान हनुमान का अवतार बताया. अधिवक्ता सूरज कुमार ने यह भी कहा कि धीरेंद्र शास्त्री हिन्दुओं को धोखा दे रहे हैं. वे खुद को हिन्दुओं का सबसे बड़ा हितैषी बताकर गलत तरीके से जनता को विश्वास में लेकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं.

अपने उद्देश्य में कभी भगवान को नीचा दिखाना. अपने प्रभाव से किसी को पत्र देकर झूठा आश्वासन देना और हजारों लोगों से पैर पकड़वाना आदि से हिंदू धर्म की परंपरा को ठेस पहुंचा है. एडवोकेट सूरज कुमार ने धारा 295 क,298,505 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है. केस की अगली सुनवाई 10 मई 2023 को मुकर्रर की गई है.

दम है तो बागेश्वर बाबा को छू कर दिखाओ

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की प्रस्तावित यात्रा को लेकर बिहार में बढ़ते राजनीतिक तापमान के बीच केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शुक्रवार को स्वयंभू संत का बचाव किया और विरोधियों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है. बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 13 मई को एक आध्यात्मिक कार्यक्रम के लिए पटना के नौबतपुर आने वाले हैं, जिसका आरजेडी के सभी बड़े नेता एक सुर से पुरजोर विरोध कर रहे हैं.राज्य के पर्यावरण एवं वन मंत्री तेज प्रताप यादव ने इस उद्देश्य के लिए डीएसएस नामक एक निजी बल का गठन किया है. उनके अलावा बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, वृसन पटेल समेत राजद के कई नेताओं ने भी उनके खिलाफ बयान दिया था.चौबे ने कहा, मैं 13 से 17 मई तक पटना के नौबतपुर में बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहूंगा और उस कार्यक्रम को किसी ने रोकने की हिम्मत की तो उन्हें इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा. राज्य के शिक्षा मंत्री मूर्ख हैं और उन्हें शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने रामचरितमानस का अपमान किया है.उन्होंने चेतावनी दी, बाबा बागेश्वर, जो सनातन धर्म के संरक्षक हैं, ने अपना जीवन देश की भलाई के लिए समर्पित कर दिया है. अगर आपने उन्हें छूने की हिम्मत की, तो आपको नुकसान होगा.गौरतलब है कि बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री के पटना के नौबतपुर के तरेत पाली मठ में 13 से 17 मई के बीच होने वाले हनुमत कथा आयोजन को लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है. इस आयोजन में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है. मठ प्रांगण पूरे 600 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें हनुमत कथा प्रवचन के लिए तीन लाख वर्ग फीट में पंडाल बन रहा है. भूमि पूजन हो गया है. श्रद्धालुओं की गाड़ियों की पार्किंग के लिए 15 लाख वर्ग फीट में पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है.

'रशियन लड़कियों का डांस कराना चाहता हूं', प्रत्याशी के नाम से ईसी को लिखा लेटर वायरल

बीपीएस न्यूज

उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर उम्मीदवारों से लेकर उनके परिजन,

दोस्त यार और समर्थक सभी दिन रात कड़ी मेहनत करके जनता जनार्दन का दिल जीतने की कोशिश कर रहे हैं. मेयर पद के उम्मीदवारों के अलावा पार्षद यानी सभासद पद के प्रत्याशियों ने चाहे वो किसी पार्टी के हों या निर्दलीय सभी ने ऐड़ी चोटी का जोर लगा दिया है. कुछ कैंडिडेट तो मतदाताओं को रिझाने में पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं और इस दौरान ये भी नही देखा जा रहा है कि कहीं चुनाव आयोग के नियम कायदों का उल्लंघन तो नहीं हो रहा है.ऐसे ही एक अजीबोगरीब और दिलचस्प मामले में कानपुर के एक पार्षद प्रत्याशी की कथित चिट्ठी वायरल हो रही है, जिसमें उसने चुनाव आयोग के अधिकारी से मतदाताओं के लिए रशियन लड़कियों का डांस कार्यक्रम आयोजित कराने और शराब बंटवाने की परमिशन मांगी है. इस कथित लेटर के वायरल होने के बाद जैसे ही पूरे

शहर का प्रशासनिक अमला हरकत में आया उसी बीच इस घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो गया जिसमें रशियन लड़की डांस करती दिख रही है. अब कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग तो ऐसी मंजूरी देने से रहा इसलिए प्रत्याशी ने खुद ही रसियन लड़की का डांस प्रोग्राम आयोजित करवा दिया.

यह वीडियो काकादेव थाना क्षेत्र के अंबेडकरनगर का बताया जा रहा है. जहां सभासद पद के निर्दलीय प्रत्याशी संजय दुबे (चुनाव चिन्ह पेंसिल) द्वारा ये कार्यक्रम आयोजित किया गया, चुनाव आयोग के नाम लिखी चिट्ठी और रसियन लड़की के डांस का वीडिये वायरल होने के बाद कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने इस मामले पर संज्ञान लिया और एसीपी स्वरूपनगर को इस केस की जांच सौपी है ताकि सच्चाई सबके सामने आ सके. हालांकि बीपीएस न्यूज इस चिठ्ठी और वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है. इस मामले में कानपुर पुलिस की जांच अभी जारी है।

बजरंग दल पर बैकफुट पर आने के बाद जागी कांग्रेस, भगवान हनुमान को लेकर कर दिया बड़ा ऐलान

चुनावी राज्य कर्नाटक में भगवान हनुमान चुनावी मुद्दों के केंद्र में आ गए हैं. अपने घोषणापत्र में बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का वादा कर घिरने के बाद कांग्रेस ने बचाव की मुद्रा में आते हुए पूरे राज्य में हनुमान मंदिरों के निर्माण और जीर्णोद्धार का वादा किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजरंग दल पर प्रतिबंध के वादे की तुलना हनुमान और उनके भक्तों को ताले में बंद करने से की, वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा ने कांग्रेस का घोषणापत्र जलाया. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के घोषणापत्र को फाड़ दिया, उस पर चप्पल बरसायी और राज्य के कई हिस्सों में रैलियां कीं.दक्षिणपंथी संगठनों ने राज्य भर में हनुमान चालीसा का पाठ करने का फैसला किया है. मुद्दे पर अब कांग्रेस बचाव की मुद्रा में आ गई है. कांग्रेस जिन मुद्दों के इर्द-गिर्द

10 मई को होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थी, ऐसा प्रतीत होता है कि वह ठंडे बस्ते में चला गया है क्योंकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार मंदिर में दर्शन करने पहुंच गए.

मैसूर में चामुंडी पहाड़ी पर, मैसूर की देवी चामुंडेश्वरी, साथ ही आंजनेय की पूजा करने के बाद शिवकुमार ने और हनुमान मंदिरों का निर्माण करने या पूरे राज्य में मौजूदा मंदिरों का जीर्णोद्धार करने का वादा किया. रामनगर में कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे शिवकुमार ने कहा, राम दूत आंजनेय (हनुमान) के मंदिर हर जगह हैं. हमने आंजनेय मंदिरों का निर्माण कराया है और हम भी उनके भक्त हैं. विशेष रूप से हम कन्नड़वासियों में उनके प्रति गहरी आस्था है जहां इस बात के पक्के प्रमाण हैं कि आंजनेय का जन्म (इसी) राज्य में हुआ था.शिवकुमार ने कहा, क्या भाजपा ने एक भी मंदिर बनाया? वे इसे भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसपर कोई ध्यान नहीं देगा. वे लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो नहीं होगा. कांग्रेस सत्ता में आएगी. हम राम और आंजनेय से जुड़े सभी मंदिरों का निर्माण करेंगे.विजयनगर जिले के होसपेटे में प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा को लेकर निशाना साधा. पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है. पहले उन्होंने प्रभु श्रीराम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है.प्रधानमंत्री ने बुधवार को तीनों जनसभाओं में जय बजरंगबली का उद्घोष भी किया. भाजपा के वरिष्ठ नेता के एस ईश्वरप्पा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की एक प्रति जलाई और कर्नाटक में सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा करने को लेकर विपक्षी दल पर निशाना साधा.बजरंग दल को एक 'देशभक्त संगठन' बताते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सवाल किया, बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात करने की उनकी (कांग्रेस की) हिम्मत कैसे हुई. कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में कहा है कि वह जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है. कांग्रेस ने घोषणापत्र में कहा, हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है. कोई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत एवं शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन, चाहे वह बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के हों, वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते. हम ऐसे संगठनों पर कानून के तहत प्रतिबंध लगाने समेत निर्णायक कार्रवाई करेंगे. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ईश्वरप्पा ने इसे "(पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की) मुस्लिम लीग का घोषणापत्र" करार दिया.मोइली ने कहा कि राज्य सरकारों को ऐसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है।

शादी में साली क्यों चुराती है जीजा के जूते ? 99 प्रतिशत को नहीं पता इस दिलचस्प रिवाज की कहानी!

बीपीएस न्यूज

सनातन धर्म में शादी को बहुत ही पवित्र माना जाता है. एक शादी सिर्फ दो लोगों को नहीं बल्कि 2 परिवारों पास लाती है. हिंदू धर्म में शादी के दौरान बहुत से रिवाज होते हैं जिनमें से कुछ रिवाज बेहद अनोखे और दिलचस्प हैं. ऐसा ही एक रिवाज जूते चुराने का है. जब दूल्हा शादी के मंडप में प्रवेश करता है, तब वह मंडप के बाहर अपने जूते उतार देता है. इस दौरान दुल्हन की बहन या उसकी सहेलियां दूल्हे का जूता गायब कर देती हैं. अब दूल्हे को जूता वापस लेने के लिए साली की मुंह मांगी मुराद पूरी करनी पड़ती है. दूल्हा जूता वापस लेने के लिए साली को पैसे देता है. ज्यादातर जगहों पर इस रस्म को फॉलो किया जाता है लेकिन किसी से पूछ लिया जाए कि जूता छुपाई का रिवाज क्यों किया जाता है तो शायद ही कोई बता पाएगा.आपको बता दें कि जूता छुपाई की एक ऐसी रस्म है जिससे दूल्हे की पर्सनालिटी को चेक किया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि किसी शख्स के जूते उसके कई सारे राज खोल देते हैं. जब साली अपने जीजा का जूता चुराती है, तब एक तरह से वो जीजा के संयम का टेस्ट होता है. इसके अलावा यह भी देखा जाता है कि जीजा कितनी समझदारी से साली से अपने जूते वापस ले पाता है. जूता छुपाई की रस्म के पीछे एक और तर्क दिया जाता है. कहा जाता है कि विदाई के दौरान ज्यादातर लोग रोने लगते हैं, इसलिए जूता छुपाई की रस्म वहां खुशनुमा माहौल पैदा करती है. इस रस्म के दौरान वहां बैठे मेहमानों के चेहरे पर मुस्कुराहट देखने को मिलती है.बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि जूता चुराई की रस्म से दोनों परिवारों के रिश्ते में मजबूती आती है. इस रस्म के साथ दूल्हा-दुल्हन के परिवार आपस में बातें करते हैं और तालमेल बढ़ने लगता है. बातें बढ़ने से लोग एक दूसरे के करीब आते हैं. इससे रिश्ते एक-दूसरे का विश्वास भी बढ़ता है.

प्रेक्षक एवं डीएम ने ईवीएम कैंडीडेट सेटिंग कार्यों के साथ मतगणना तैयारियों का किया निरीक्षण

नगर संवाददाता

कानपुर। नगर निगम सामान्य निर्वाचन में 11 मई को संपन्न होना है जिसके लिए मतदान तथा मतगणना को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण तथा पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा नियुक्त जनपद कानपुर नगर की प्रेक्षक मनीषा त्रिघाटिया एवं जिलाधिकारी/जिला निवार्चन अधिकारी विशाख जी के साथ-साथ समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभागार में ई0वी0एम0 हेतु द्वितीय रेंडमाइजेशन सफलतापूर्वक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी के माध्यम से संपादित हुआ। द्वितीय रेंडमाइजेशन के माध्यम से बूथवार/पदवार ईवीएम का आवंटन किया गया है। कुल प्रयुक्त होने वाले ईवीएम के साथ-साथ 20 प्रतिशत रिजर्व ईवीएम की भी व्यवस्था की गयी है। रेंडमाइजेशन में प्राप्त

बूथवार/पदवार आवंटन के आधार पर ईवीएम को चुनाव हेतु तैयार किए जाने का कार्य मंडी परिसर पर प्रगति पर है। इसके पश्चात अपर जिलाधिकारी (नगर) एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा राजनीतिक पार्टियों के उपस्थित प्रतिनिधियों को निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा नियुक्त जनपद कानपुर नगर की प्रेक्षक मनीषा त्रिघाटिया द्वारा नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन- में नगर निगम के महापौर, पार्षदों, के सामान्य निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराए जाने हेतु नवीन गल्ला मंडी, नौबस्ता में चल रहे वार्ड वार ई0वी0एम0, कैंडीडेट सेटिंग कार्यों के साथ-साथ मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण किया गया और पोलिंग पाटियों की रवानगी एवं मतगणना हेतु कराई जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी गई नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन से संबंधित नगर निगम के कुल 110 वार्डों के महापौर एवं पार्षद के निर्वाचन से संबंधित कुल 22 स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं, जिनमें महापौर और पार्षद पद की पोल्ड ई0वी0एम0 रखी जानी हैं। निर्वाचन से संबंधित मतगणना हेतु 04 हॉल को चिन्हित किया गया है, जिन पर मतगणना का कार्य रिटर्निंग अधिकारियों के माध्यम से संपादित किया जाएगा। 11 मई (गुरूवार) को द्वितीय चरण में जनपद कानपुर नगर में प्रात: 07.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक मतदान होगा एवं मतगणना 13 मई (शनिवार) को प्रात: 8.00 बजे से समाप्ति तक मतगणना स्थल नवीन गल्ला मण्डी, नौबस्ता, कानपुर में की जायेगी।मतगणना स्थल पर मीडिया सेंटर की भी स्थापना की जाएगी, जहां पर मीडिया कर्मियों हेतु यथा आवश्यक- इण्टरनेट, चार्जिंग प्वांइट्स आदि व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस स्थल पर सूचना विभाग के अधिकारियों की निगरानी में मतगणना सम्बन्धी आवश्यक सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जायेगा। नगर निगम के महापौर एवं पार्षद के निर्वाचन हेतु 1752 पोलिंग पार्टियों की रवानगी 10 मई, (बुधवार) को नवीन गल्ला मंडी परिसर, नौबस्ता से होगी। पोलिंग पार्टियों की सुचारू रूप से रवानगी हेतु परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार से ही उचित मार्गदर्शक चिन्हों के साथ-साथ कई जगहों पर डिकोडर लगाए जाएंगे, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराने हेतु लगे कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विधायक व पूर्व पार्षद पर बांग्लादेशी नागरिक को शरण देने पर दाखिल हुई चार्जशीट

कानपुर। आगजनी मामले में सपा विधायक को कोर्ट से राहत भी नहीं मिल पाई है कि बांग्लादेशी नागरिक को शरण देने के दस्तावेज सत्यापित करने में विधायक पर शिकंजा कस गया है। शनिवार को विधायक इरफान सोलंकी और पूर्व पार्षद मन्नू रहमान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जबकि जांच के दौरान विधायक के लेटरपैड की जांच में उनके हस्ताक्षर का मिलान नहीं हुआ है। आर्य नगर के एक आलीशान सोसाइटी में बांग्लादेशी रिजवान मोहम्मद पहचान छिपाकर पत्नी हिना और तीन बच्चों के साथ रहता था। मूलगंज पुलिस ने रिजवान को अरेस्ट करके खुलासा किया था, कि वह अवैध तरीके से छिपकर कानपुर में रहता है। उसने फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट समेत अन्य दस्तावेज हासिल कर लिए थे। पुलिस ने रिजवान और उसकी पत्नी हिना व बच्चों को अरेस्ट करके जेल भेज दिया था।मामले की जांच कर रहे विवेचक सूर्यबलि पांडेय ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया था। कि बांग्लादेशी को सपा विधायक इरफान सोलंकी और पार्षद रहे मन्नू रहमान ने शरण दी थी। दोनों का लेटरपैड पर लिखा हुआ पत्र भी बरामद हुआ था। जिसमें लिखा था कि बांग्लादेशी रिजवान मोहम्मद भारतीय है। इसी आधार पर उसका आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट समेत अन्य दस्तावेज तैयार करा लिए थे।इसी साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने इरफान सोलंकी और मन्नू रहमान को भी आरोपी बनाया था। पुलिस पत्र के हस्ताक्षर की फोरेंसिक लैब के हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराई तो विधायक के हस्ताक्षर से मेल नहीं खाया। इसके बाद भी पुलिस ने विधायक को आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों से पूछताछ और उनके बयान के आधार पर विधायक को दोषी बनाया गया है।बांग्लादेशी रिजवान मोहम्मद ने 1998 में कानपुर के मैदा बाजार निवासी हिना से दिल्ली में निकाह किया था। इसके बाद वह चोरी छिपे कोलकाता होते हुए सड़क मार्ग से पत्नी समेत बांग्लादेश लौट गया। हिना ने वहां तीन बच्चों को जन्म दिया। वर्ष 2016 में रिजवान अपनी पत्नी व बच्चों के साथ अवैध रूप से दोबारा बंगाल के रास्ते ही भारत में घुसा और तब से यहीं रह रहा था।

तालाब में डूबने से दो किशोरों की मौत, मचा कोहराम

साथी को डूबने से बचाने पर, दूसरे साथी ने गंवाई अपनी जान

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र गांव सरगांव के मजरा घुरऊपुर के में रविवार सुबह 11 बजे से अपने गांव के ही कई साथियों के साथ अजीत उर्फ सोनू पुत्र उजियारी लाल दिवाकर, 17दीपक पुत्र लालता प्रसाद संखवार 16 गांव किनारे स्थित तालाब में नहा रहे थे तभी नहाते समय अचानक दीपक गहराई में पहुंच गया और डूबने लगा तभी साथी अजीत बचाने के लिए आगे बढ़ा और दीपक का हाथ पकड़ने लगा हाथ पकड़ते ही अजीत व दीपक दोनों ज्यादा गहराई में पहुंच गए और दोनों डूब गए हादसा देख नहा रहे अन्य साथी तालाब के बाहर निकल कर दोनों तालाब में डूबे साथियों के घर पहुंच कर सूचना दी आनन फानन भागे परिजनों के साथ तालाब किनारे ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची सजेती पुलिस के साथ ग्रामीणों ने लंबे बांस के सहारे गहराई में जाकर दोनों को बाहर निकाल कर पुलिस ने दोनों को भेजा सी एच सी घाटमपुर जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया मृतक अजीत इसी साल इंटरमीडिएट का छात्र था जब कि दीपक 11वीं का छात्र था। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब की गहराई दस से बारह फिट तक है।

एस ओ सजेती पवन कुमार ने बताया कि पंचायत नामा कि कार्यवाही करके दोनों शवों पी एम के लिए भेजा जा रहा है।

चुनाव प्रचार ने तेजी से पकड़ी रफ्तार,नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से मतदाता नाराज

प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में जुटे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम चुनाव में प्रत्याशियों ने अपने प्रचार अभियान में तेजी से रफ्तार पकड़ी है। चुनाव प्रचार में अब दो दिन शेष बचे है। पार्षद से लेकर मेयर प्रत्याशी प्रचार में दिन-रात एक किये है। रविवार को शहर में सपा, भाजपा व निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों संग वाहन जुलूस निकाला यह सिलसिला देर शाम तक चला। 11 मई को कानपुर नगर में मतदान होना है और नौ मई तक प्रचार अभियान चलना है। अगले बचे शेष दो दिन के अंदर ही सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शहर आकर जनसभा करेंगे। इसके साथ ही प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे और मतदाता भी अपना फैसला लेंगे।कानपुर नगर निगम के सभी 110 वार्डों में चुनाव प्रचार चरम पर है। मतदाताओं से दैनिक तरुणमित्र ने बात की और उनसे पूछा कि उनके वोट देने का आधार क्या होगा। इसके लिए तीन विकल्प थे कि वे पार्टी के आधार पर वोट देंगे, प्रत्याशी के आधार पर वोट देंगे या फिर विकास को वोट का आधार बनाएंगे। मतदाताओं ने खुल कर अपनी राय रखी, किन्तु कुछ मतदाता अभी तक अनिर्णय की स्थिति में हैं। वहीं नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मतदाता खासे नाराज दिखे।

विकास को आधार बनाकर देंगे वोट

मतदाताओं से बातचीत के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है कि यहां विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा बनने वाला है। 40 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि वे विकास को आधार बनाकर वोट देंगे। हालांकि वार्ड-दर-वार्ड यह आंकड़ा बदल रहा था। कुछ वार्डों में तो 50 प्रतिशत से अधिक मतदाता तक विकास के आधार पर वोट देने की बात कर रहे थे, वहीं कुछ में सिर्फ 30 प्रतिशत मतदाताओं के वोट देने का आधार विकास था। हालांकि कुछ मतदाताओं का कहना है कि नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना चाहिए साथ ही भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए।

मतदान के दौरान विकास के बाद प्रत्याशी का चेहरा बड़ा आधार बनने वाला है। औसतन 24 प्रतिशत मतदाताओं ने प्रत्याशी को देखकर मतदान की बात कही। यहां भी कुछ वार्डों में 33 प्रतिशत तक मतदाता प्रत्याशी को देखकर वोट देने की बात कही।

नोटा का बटन दबाने से पीछे नहीं हटेंगे मतदाता

नगर निगम चुनाव पार्टी के टिकट पर लड़ा जाता है। राजनीतिक दलों के बीच इसे लेकर खासी खींचतान भी चलती है। पार्टी का टिकट पाने के लिए मारामारी भी होती है। मतदाताओं से बातचीत में साफ पता चला कि महापौर के लिए मतदान के समय तो पार्टी देखी जाएगी, किन्तु पार्षद चुनते समय पार्टी सबसे बड़ा आधार नहीं होगी। हालांकि कुछ वार्डों में 34 प्रतिशत तक मतदाता पार्टी को देखकर वोट डालने की बात कर रहे थे, किन्तु कुछ वार्डों में महज 12 प्रतिशत मतदाताओं ने ही पार्टी देखकर वोट डालने की बात कही। चुनावी जागरूकता के तमाम प्रयासों के बीच 13 प्रतिशत मतदाता अभी तय नहीं कर पाए हैं कि वे किस आधार पर वोट देंगे। कुछ वार्डों में तो 24 प्रतिशत तक मतदाता अनिर्णय की स्थिति में दिखे, वहीं कुछ वार्डों में महज तीन से पांच प्रतिशत मतदाता ही अभी अपने वोट का आधार नहीं तय कर सके हैं। हालांकि शहर में कुछ वार्डों में मतदाता नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से काफी नाराज दिखे। कई वार्डों के मतदाताओं ने बेबाकी से कहा कि, वो नोटा का बटन दबाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

वीआईपी आगमन पर प्रशासन की तैयारियां जोर पर

कानपुर। अगले दो दिन तक शहर में वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट कानपुर और जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। रविवार को जहां डीएम विशाखजी अय्यर अफसरों के साथ मीटिंग करते रहे तो वहीं पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड, ज्वाइंट सीपी आंनद प्रकाश तिवारी ने सभी डीसीपी के साथ मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की। डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल को कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया। वहीं पुलिस लाइन में हैलीपैड बनाने का काम शुरू हो गया है तो पुलिस लाइन में हैलीपैड में सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। सीएम आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सजग है। रविवार की देर शाम तक सीएम के कार्यक्रम का कोई प्रोटेकाल नहीं आया था जिससे इतना तो यह हो गया कि चुनाव प्रचार के अंतिम दिन यानी मंगलवार को ही सीएम आ सकते है। एक तरफ भाजपाई तैयारियों में जुट गये है तो वहीं नगर निगम ने कार्मिशियल मैदान में साफ सफाई शुरू कर दी है। नगर निगम की टीम भी व्यवस्था में जुटी हुई है तो वहीं पुलिस अफसरों ने सुरक्षा के मद्देजर ब्लू प्रिंट बना लिया है। सीएम आगमन समेत अन्य वीआईपी मूवमेंट में शहर में कहां डायवर्जन करना है कहां बैरिकेडिंग और कैमरे लगाने है, इसकी तैयारियां देर शाम तक चलती रही। चूकिं सीएम की मीटिंग पब्लिक मीटिंग है और अतीक हत्याकांड के बाद से पूरा पुलिस प्रशासन पहले से सतर्क है ऐसे में पुलिस अफसरों का पूरा फोकस है कि कोई भी अंजान व्यक्ति सीएम तक न पहुंचे। जो लोग हैलीपैड तक जायेंगे, मंच पर रहेंगे उनके नाम पहले फाइनल करने की तैयारी की जा रही है। वहीं अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी के कार्यक्रम को लेकर भी पुलिस तैयारी में है।

विकलांग पार्टी ने धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में किया दिल्ली कूच

कानपुर। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी कानपुर से दिल्ली तक शांति मार्च लेकर रवाना हुई। शहर के शास्त्री नगर स्थित सेंटर पार्क से रविवार दोपहर 12 बजे राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के नेतृत्व में दिव्यांगजन शांति मार्च लेकर निकले। यह दिव्यांगजन ट्राई साइकिल, मोटरसाइकिल और मोटर ट्राई साइकिल से रवाना हुए। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के महासचिव ने बताया कि देश की महिला पहलवान जिन्होंने देश का सिर गर्व से ऊंचा किया था। लगातार वह अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद बाहुबली सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी महिला पहलवानों के साथ है, इसीलिए उनके समर्थन में कानपुर के शास्त्री नगर से दिल्ली तक शांति मार्च दिव्यांगजन लेकर निकले हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी बृजभूषण के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। जिन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है, उसके तहत गिरफ्तारी की जाए।दिव्यांगजन रविवार दोपहर कानपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने बताया है कि रास्ते भर का सारा इंतजाम करके वह निकले हैं। 3 दिन में कानपुर से दिल्ली पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दिव्यांगजनों की 51 सदस्य टीम रवाना हुई है। जिन जिन जिलों से होकर शांति मार्च निकलेगा।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।